मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई

वर्षः 8 अंक 229

शनिवार, 07 मार्च 2026

मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6

RNI NO. MAHHIN/2018/76092

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

www.uttarshaktinews.com

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित, 958 अभ्यर्थियों का चयन, राजस्थान के अनुज अग्निहोत्री टॉपर

नई दिल्ली, 06 मार्च। आखिरकार लाखों अभ्यर्थियों के लंबे इंतजार के बाद संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम जारी कर दिया है। आयोग ने शुक्रवार को परिणाम घोषित किया, जिसके बाद अब अभ्यर्थी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर मेरिट सूची देख सकते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार इस वर्ष कुल 958 अभ्यर्थियों को विभिन्न केंद्रीय सेवाओं में नियुक्ति के लिए अनुशंसित किया गया है। बता दें कि अंतिम परिणाम अभ्यर्थियों के लिखित मुख्य परीक्षा और व्यक्तित्व परीक्षण यानी साक्षात्कार में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार किया गया है। गौरतलब है कि इस बार परीक्षा में अनुज अग्निहोत्री ने पहला स्थान हासिल किया है। वह मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले बताए जाते हैं और पेशे से चिकित्सक हैं। उनके शीर्ष स्थान प्राप्त करने की खबर सामने आने के बाद उनके परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा जा रहा है। आयोग की ओर से जारी मेरिट सूची में सामान्य वर्ग से 317, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से 104, अन्य पिछड़ा वर्ग से 306, अनुसूचित जाति से 158 और अनुसूचित जनजाति से 73 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया है। इस तरह कुल 958 उम्मीदवारों को विभिन्न सेवाओं के लिए अनुशंसित किया गया है।

इसके अलावा दिव्यांग श्रेणी के अंतर्गत भी कुछ अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पहली दिव्यांग श्रेणी से 10,

दूसरी श्रेणी से 14, तीसरी श्रेणी से 9 और पाँचवीं श्रेणी से 9 अभ्यर्थियों को अवसर मिला है।

बता दें कि आयोग ने एक आरक्षित सूची भी जारी की है। मौजूद जानकारी के अनुसार आरक्षित सूची में कुल 258 उम्मीदवारों के नाम शामिल किए गए हैं। इसमें सामान्य वर्ग के 129, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 26, अन्य पिछड़ा वर्ग के 86, अनुसूचित जाति के 8 और अनुसूचित जनजाति के 6 अभ्यर्थी शामिल हैं। इसके अलावा दिव्यांग श्रेणी के भी कुछ उम्मीदवार आरक्षित सूची में रखे गए हैं।

अगर सेवा-वार रिक्तियों की बात करें तो इस बार सबसे प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए कुल 180 पद निर्धारित किए गए हैं। वहीं भारतीय पुलिस सेवा के लिए 150 और भारतीय विदेश सेवा के लिए 55 पद तय किए गए हैं।

इसके अलावा केंद्र सरकार की समूह ह्यकह्न सेवाओं के लिए 507 और समूह ह्यखह्न सेवाओं के लिए 195 पद निर्धारित किए गए हैं। कुल मिलाकर विभिन्न सेवाओं में एक हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां किए जाने की योजना बताई जा रही है।

गौरतलब है कि सिविल सेवा परीक्षा को दुनिया की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक माना जाता है। हर साल देशभर से लाखों उम्मीदवार इसमें शामिल होते हैं, लेकिन तीन चरणों प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार को पार करने के बाद ही बहुत कम अभ्यर्थी अंतिम मेरिट सूची तक पहुंच पाते हैं।

शिक्षा प्रणाली पर आरएसएस का कब्जा: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 06 मार्च। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय उच्च शिक्षा पर वैचारिक हमला हो रहा है और एक खास तरह की विचारधारा थोपी जा रही है। उन्होंने केरल के मारियन कॉलेज कुट्टिक्कानम (स्वायत्त) में छात्रों से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं। उन्होंने आगे कहा कि अगर आप कुलपतियों को देखें, तो उनमें से बड़ी संख्या में कुलपति इसलिए बनाए जाते हैं क्योंकि वे आरएसएस से जुड़े हैं। बेशक, इसे रोकना होगा। भारतीय शिक्षा प्रणाली को विशेष रूप से आरएसएस के विभाजनकारी दृष्टिकोण तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत एआई के आगमन में सफल नहीं रहा है, और ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर रहे थे, जिन्होंने देश की क्षमता और भविष्य में वैश्विक स्तर पर एक शक्तिशाली देश बनने के दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया था। राहुल गांधी ने बातचीत के दौरान कहा, एआई के क्षेत्र में दो ही

खिलाड़ी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन। दुर्भाग्य से, भारत रोबोटिक्स, एआई या आधुनिक प्रौद्योगिकी, किसी भी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी नहीं है। निश्चित रूप से, अमेरिका या चीन की तुलना में तो बिल्कुल भी नहीं। आपने एआई शिखर सम्मेलन में ही देखा कि एक चीनी रोबोट भारतीय रोबोट होने का दिखावा कर रहा था। अगर आप एआई में शक्तिशाली बनना चाहते हैं, तो आपको अपने डेटा पर नियंत्रण रखना होगा... प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में किए गए अमेरिकी समझौते के तहत हमारा सारा डेटा संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया है... हमने पिछले कुछ हफ्तों में एआई में अपनी क्षमता को बहुत नुकसान पहुंचाया है। सेवा और सॉफ्टवेयर उद्योग में नौकरियां, जो हमारे देश की अर्थव्यवस्था का आधार थीं, एआई के कारण खत्म हो जाएंगी। मुझे चिंता है कि डेटा, विनिर्माण और गतिशीलता के क्षेत्र में एक परिवर्तन हो रहा है, और हम बस इसे देख रहे हैं। चीनी रोबोट के बारे में उनकी टिप्पणी भारत एआई शिखर सम्मेलन में गैलगोटिया विश्वविद्यालय के विवाद के संदर्भ में थी, जहां उन्होंने एक चीनी रोबोडॉग को अपनी रचना के रूप में प्रदर्शित किया था। इस घटना ने भारी विवाद खड़ा कर दिया था। इसके अलावा, एआई का बढ़ता उपयोग विश्व भर में, विशेष रूप से बड़ी कंपनियों में हो रही व्यापक छंटनी के बीच, एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। राहुल गांधी ने हाल ही में हुए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर भी कटाक्ष किया, जिसकी विपक्ष ने किसानों के खिलाफ जाने का दावा करते हुए कड़ी आलोचना की है।

मिडल ईस्ट में जो हो रहा वो सामान्य नहीं, पूरी दुनिया पर पड़ेगा असर: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे अत्यधिक असामान्य करार दिया है। कोलकाता में आयोजित 'सागर संकल्प' मैरीटाइम कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि इस तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा और व्यापार सप्लाई चेन पूरी तरह से बाधित हो रही है।

जब यहाँ हलचल होती है, तो इसका सीधा असर तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ता है। वर्तमान में हम न केवल ऊर्जा, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी सप्लाई चेन के टूटने के गवाह बन रहे हैं, जिसका सीधा प्रहार वैश्विक अर्थव्यवस्था पर हो रहा है। बदलते भू-राजनीतिक परिवेश पर बोलते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि विभिन्न देशों के बीच रणनीतिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा, ३राष्ट्र आज जमीन, हवा, पानी और यहाँ तक कि अंतरिक्ष में भी एक-दूसरे से टकरा रहे हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है, और सबसे ज्यादा डराने वाली बात यह है कि यह असामान्यता अब 'न्यू नॉर्मल'बनती जा रही है।

ईरान-इजराइल युद्ध से अब गुजरात में हड़कंप, 100 फैक्ट्रियों में काम बंद, 400 पर और खतरा

नई दिल्ली, 06 मार्च। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब भारत के औद्योगिक क्षेत्रों तक पहुंचने लगा है। गुजरात के मोरबी में ईंधन की कमी के कारण सिरेमिक उद्योग को बड़ा झटका लगा है। जानकारी के मुताबिक गैस सप्लाई बाधित होने से करीब 100 फैक्ट्रियों को अपना उत्पादन अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा है। मोरबी टाइल्स और घड़ियों के उत्पादन के लिए देश ही नहीं बल्कि दुनिया भर में जाना जाता है और इसे सिरेमिक निर्माण का प्रमुख वैश्विक केंद्र माना जाता है। उद्योग से जुड़े संगठनों का कहना है कि युद्ध जैसे हालातों के कारण प्रोपेन गैस की आपूर्ति पिछले कुछ दिनों से बाधित है। मोरबी सिरेमिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के अनुसार कई फैक्ट्रियां पूरी तरह गैस पर निर्भर हैं, इसलिए सप्लाई रुकते ही उत्पादन ठप हो गया। फिलहाल जिन इकाइयों को गुजरात गैस के माध्यम से ईंधन मिल रहा है, वहां काम जारी है, लेकिन कुल उपलब्धता लगभग आधी रह गई है।

उद्योग प्रतिनिधियों का कहना है कि यदि गैस सप्लाई जल्द सामान्य नहीं हुई तो आने वाले दिनों में करीब 400 और फैक्ट्रियां भी बंद हो सकती हैं। मोरबी में सैकड़ों यूनिट्स टाइल्स और अन्य सिरेमिक उत्पाद बनाती हैं, जिनका निर्यात दुनिया के कई देशों में होता है। गैस संकट लंबे समय तक जारी रहने पर पूरे क्लस्टर की उत्पादन क्षमता पर गंभीर असर पड़ सकता है।

ईंधन संकट का सीधा असर निर्यात कारोबार पर भी दिखने लगा है। तैयार माल गोदामों में जमा हो रहा है और कई शिपमेंट फिलहाल अटके हुए हैं। कुछ नए निर्यात ऑर्डर भी फिलहाल रोक दिए गए हैं। इससे उद्योग की भुगतान व्यवस्था और वित्तीय चक्र प्रभावित हो सकता है। वहीं उत्पादन बंद होने से हजारों मजदूरों की रोजी-रोटी पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। उद्योग संगठनों ने राज्य सरकार से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष लंबा चलता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गैस और ईंधन की सप्लाई प्रभावित होती है, तो मोरबी का सिरेमिक उद्योग बड़े संकट में फंस सकता है। यह क्षेत्र देश के सबसे बड़े औद्योगिक क्लस्टरों में से एक है, इसलिए यहां की स्थिति का असर राष्ट्रीय निर्यात और रोजगार पर भी पड़ सकता है।

रूसी तेल खरीद पर अमेरिकी 'छूट' को लेकर कांग्रेस ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 03 मार्च। रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत को दी गई 30 दिनों की अस्थायी छूट (Waiver) पर देश में सियासी घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद जयराम रमेश ने इसे भारत की संप्रभुता पर सीधा हमला करार देते हुए केंद्र की मोदी सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाए हैं। समाचार एजेंसी अठक से बात करते हुए जयराम रमेश ने अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट की घोषणा को अत्यधिक आपत्तिजनक बताया। उन्होंने कहा, यह हमारी संप्रभुता का मुद्दा है। हमारी सरकार को यह तय करना चाहिए कि हम कहां से, कब और कितना तेल खरीदेंगे। अमेरिका हमें सर्टिफिकेट देने वाला कौन होता है? इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री, विदेश

मंत्री और तेल मंत्री चुप क्यों हैं?

जयराम रमेश ने सरकार को घेरते हुए कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे को संसद में जोर-शोर से उठाएगी। उन्होंने वाशिंगटन से आने वाली घोषणाओं पर आपत्ति जताते हुए कहा, ३हमें सारी जानकारी वाशिंगटन से क्यों मिल रही है? चाहे रूसी तेल की बात हो या 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोकने की, पहली घोषणा अमेरिकी अधिकारियों द्वारा की जाती है। सिर्फ बयानों से काम नहीं चलेगा, वाणिज्य और विदेश मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा होनी चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म '' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है। खड़गे ने लिखा, पीएम मोदी 'एपस्टीन फाइल्स' और 'अडानी केस' को लेकर ब्लैकमेल हो रहे हैं। अमेरिका द्वारा रूसी तेल खरीदने के लिए 'अनुमति' देना या 'छूट' देना यह दशार्ता है कि मोदी सरकार कूटनीतिक जमीन खो रही है। इस तरह की भाषा प्रतिबंधित देशों के लिए इस्तेमाल की जाती है, भारत जैसे समान भागीदार के लिए नहीं।

पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के कारण खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति बाधित हुई है। इसे देखते हुए अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों की विशेष छूट दी है। हालांकि, वाशिंगटन ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह इस अवधि के बाद भारत से अमेरिकी तेल की खरीद बढ़ाने की उम्मीद करता है।

भारत अपनी तेल जरूरतों का लगभग 40% हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आयात करता है, जो मुख्य रूप से रणनीतिक 'होर्मुज जलडमरूमध्य' के रास्ते आता है। युद्ध के कारण यह मार्ग असुरक्षित हो गया है, जिससे भारत के उर्वरक और सिरेमिक उद्योग पर भी संकट मंडरा रहा है।

बंगाल के वोटरों को उनका हक दिलाकर रहूंगी: ममता बनर्जी

कोलकता, 06 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और कहा कि वह भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पदार्फाश करेंगी। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा-चुनाव आयोग की बंगाल के मतदाताओं को

मताधिकार से वंचित करने की साजिश का पदार्फाश करूंगी। मैं चुनाव आयोग द्वारा मृत घोषित किए गए मतदाताओं को कोलकाता में पेश करूंगी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में एसआईआर के बाद मतदाता सूचियों में कथित मनमानी तरीके से नाम हटाए जाने के विरोध में धरना शुरू किया।

यह विरोध प्रदर्शन चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ के राज्य दौरे से ठीक दो दिन पहले हो रहा है।

एमडीएमए तस्करों की महिलाओं ने आत्मदाह की पुलिस को दी धमकी

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार थाना क्षेत्र में नशीला पदार्थ एमडीएमए फैक्ट्री तोड़ने पहुंची पुलिस एवं प्रशासन के सामने फरार एवं गिरफ्तार तस्करों की महिलाओं ने खुद पर डीजल, पेट्रोल उड़ेलने के साथ घर में आग लगा दी और कार्रवाई नहीं होने दी। वृत्ताधिकारी शिवन्या सिंह ने शुक्रवार को बताया कि गत जनवरी में पुलिस ने जीवानायकों का खेड़ा में जगदीश बंजारा के मकान पर दबिश देकर बड़ी मात्रा में एमडीएमए रसायन, ड्रोन एवं अन्य उपकरण के अलावा 14 लाख रुपये नगद पकड़कर मादक पदार्थ फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था तब मौके से जगदीश एवं उसके दोनों पुत्र फरार हो गये थे।

इनमें जगदीश को हाल ही में पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थ के तस्करों के विरुद्ध अभियान के तहत पुलिस ने गंगरार तहसील से उक्त फैक्ट्री स्थल के कागजात मांगे तो वहां पर इस सम्पत्ति के संबंध में कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले।

इस पर न्यायालय तहसीलदार से इस सम्पत्ति को ध्वस्त करने के आदेश लेकर वह खुद, थानाधिकारी, तहसीलदार, पटवारी के साथ भारी मात्रा में पुलिस दल लेकर पहुंचे, तो मौके पर ग्रामीण एकत्र होकर विरोध करने लगे। श्री सिंह ने बताया कि इसी बीच घर के अंदर मौजूद तस्करों के परिवार की महिलाओं ने खुद पर डीजल-पेट्रोल डालकर कार्रवाई करने पर आत्मदाह की धमकी देते हुए घर में ही कुछ जगह आग लगा दी। मौके पर हालात देखकर पुलिस और तहसीलदार लौट आये।

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

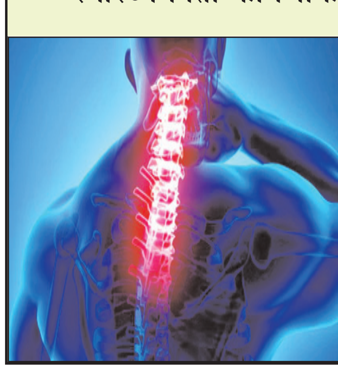

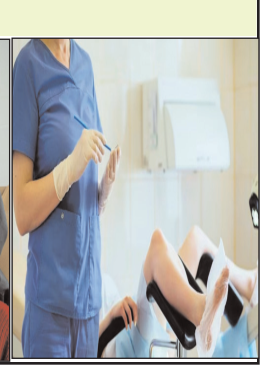

NEW LIGHT CLASSES

TRADITION OF EXCELLENCE

2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra

ADMISSIONS OPEN

ALL OVER INDIA

ENROLL NOW

SMART CLASSROOM

(ONLINE/OFFLINE)

Courses Offered

- Std. XI & XII (Sci.)
- NEET
- JEE (Main & Advance)
- MHT-CET
- Polytechnic & Engg
- Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)

M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

बिहार की राजनीति में सत्ता परिवर्तन से जुड़े सवाल

-ललित गर्ग

बिहार की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मोड़ उस समय सामने आया जब राज्य के लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतिश कुमार ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय स्वीकार किया और इसके लिए नामांकन भी दाखिल कर दिया। उनके नामांकन के अवसर पर देश के गृह मंत्री अमित शाह का पटना पहुँचना भी इस राजनीतिक घटनाक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बना देता है। लगभग दो दशकों तक बिहार की राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार का यह निर्णय केवल एक व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि बिहार की सत्ता और राजनीति के स्वरूप में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब बिहार की राजनीति पहले से ही गठबंधनों, समीकरणों और सत्ता-संतुलन के दौर से गुजर रही है। इस निर्णय के साथ यह स्पष्ट हो गया कि बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। यह परिवर्तन जहां एक ओर नई संभावनाओं का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर कई सवाल भी खड़े करता है, क्या यह जनादेश का सम्मान है या उससे विचलन? क्या यह बिहार के लिए नई दिशा का मार्ग है या राजनीतिक रणनीति का एक नया अध्याय?

नीतिश कुमार को लंबे समय से ‘सुशासन पुरुष’ के रूप में जाना जाता रहा है। उन्होंने बिहार को लंबे समय तक स्थिर राजनीतिक नेतृत्व दिया और शासन व्यवस्था को कई स्तरों पर व्यवस्थित करने का प्रयास किया। सड़कों, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पंचायत सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके कार्यों की चर्चा होती रही है। उनके शासनकाल में बिहार ने अराजकता और अपराध की छवि से बाहर निकलकर विकास और स्थिरता की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया, इसलिए उनका मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा की ओर जाना केवल एक पद परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक भूमिका के पुनर्निर्धारण के रूप में भी देखा जा रहा है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि राष्ट्रीय राजनीति में उनकी भूमिका को अधिक व्यापक बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है, जबकि कुछ इसे बिहार की सत्ता में नई पीढ़ी और नए नेतृत्व को अवसर देने की रणनीति के रूप में भी देखते हैं। बिहार में अपेक्षित संभावनाएं पूरी तरह आकार नहीं ले पायी, इसलिये भी भाजपा खुद का मुख्यमंत्री लाकर बिहार को विकास से जोड़ना चाहती है।

नीतिश कुमार के इस निर्णय के बाद विपक्षी दलों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। विपक्ष का आरोप है कि विधानसभा चुनाव में जनता ने नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए वोट दिया था और पाँच वर्षों के जनादेश के बीच में मुख्यमंत्री पद छोड़ना जनता के विश्वास के साथ न्याय नहीं है। विपक्षी दलों का यह भी कहना है कि यह निर्णय राजनीतिक समीकरणों का परिणाम है और इसमें जनता की भावना को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसे ‘जनादेश के साथ खिलवाड़’ और ‘राजनीतिक समझौते की राजनीति’ करार दिया है। उनका तर्क है कि यदि मुख्यमंत्री बदलना ही था तो जनता के पास फिर से जाने का रास्ता अपनाया जाना चाहिए था। इस प्रकार यह बहस केवल सत्ता परिवर्तन की नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता की भी बन गई है।

दूसरी ओर, इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा बिहार में अपनी स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को और अधिक मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यदि राज्य में भाजपा का मुख्यमंत्री आता है, तो यह बिहार की राजनीति के लिए एक नया अध्याय हो सकता है। भाजपा लंबे समय से यह दावा करती रही है कि वह राज्य में विकास, सुशासन और अपराध-मुक्त प्रशासन को और अधिक प्रभावी रूप में लागू करना चाहती है। पार्टी के नेताओं का कहना है कि बिहार में विकास की गति को और तेज करने, निवेश को बढ़ाने, रोजगार के अवसर पैदा करने और प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी बनाने के लिए नई नेतृत्व संरचना की आवश्यकता है।

किसी भी लोकतंत्र में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया होती है। यह परिवर्तन यदि लोकतांत्रिक ढंग से और राजनीतिक सहमति के साथ होता है, तो यह व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है। बिहार में पिछले दो दशकों में राजनीतिक स्थिरता अपेक्षाकृत बनी रही है और इसका एक बड़ा श्रेय नीतिश कुमार के नेतृत्व को दिया जाता है। अब जब वह सक्रिय प्रशासनिक भूमिका से हटकर संसदीय राजनीति की ओर जा रहे हैं, तो यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नया नेतृत्व उस स्थिरता को किस प्रकार बनाए रखता है। सत्ता परिवर्तन का एक सकारात्मक पक्ष यह भी है कि इससे शासन व्यवस्था में नए विचार, नई ऊर्जा और नई प्राथमिकताएँ सामने आती हैं। इस घटनाक्रम के साथ बिहार की राजनीति में नई पीढ़ी के प्रवेश और नेतृत्व परिवर्तन की चर्चा भी तेज हो गई है। कई राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मानते हैं कि यह परिवर्तन केवल एक व्यक्ति या दल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति के पूरे स्वरूप को प्रभावित करेगा। यदि नई नेतृत्व संरचना बिहार के विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक समरसता के मुद्दों पर प्रभावी ढंग से काम करती है, तो यह परिवर्तन राज्य के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। यदि सत्ता परिवर्तन के बाद नई सरकार इन अपेक्षाओं पर खरी उतरती है, तो यह निर्णय बिहार के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

बिहार में प्रस्तावित सत्ता परिवर्तन को भाजपा एक व्यापक राजनीतिक और प्रशासनिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी का मानना है कि लंबे समय से विकास, सुशासन, भ्रष्टावार-मुक्ति और सुरक्षा के जिन मुद्दों पर बिहार पिछड़ता रहा है, उन्हें एक निर्णायक नेतृत्व और कठोर प्रशासनिक इच्छाशक्ति के माध्यम से बदला जा सकता है। इस संदर्भ में कई लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी देते हैं, जहाँ योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद अपराध और माफिया पर कठोर कार्रवाई, प्रशासनिक अनुशासन और विकास योजनाओं के विस्तार ने राज्य की छवि और जनजीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन लाने का प्रयास किया। इसी दृष्टि से बिहार में भी यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि यदि भाजपा को स्पष्ट नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वह अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्ति, प्रशासनिक पारदर्शिता और विकास के नए मानक स्थापित करने की दिशा में काम कर सकती है।

आज भी यह व्यापक धारणा व्यक्त की जाती है कि बिहार में शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अपेक्षित गति से विकास नहीं हो पाया है और कई क्षेत्रों में अपराध तथा असुरक्षा की भावना जनजीवन को प्रभावित करती रही है। ऐसे में यदि नई सरकार दृढ़ नीतियों के साथ विकास, कानून-व्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देती है, तो यह सत्ता परिवर्तन राज्य के लिए नई दिशा और नई दशा का वाहक बन सकता है। यही कारण है कि कुछ राजनीतिक विश्लेषक इसे बिहार के लिए संभावित अवसर के रूप में देखते हैं-एक ऐसा अवसर, जिसमें सुशासन, विकास और सुरक्षित जनजीवन की नई धारा प्रवाहित हो सकती है और राज्य प्रगति के एक नए अध्याय की ओर अग्रसर हो सकता है। बिहार की राजनीति में नीतिश कुमार का राज्यसभा की ओर जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक बड़े परिवर्तन की शुरूआत है। इसमें जहाँ विपक्ष जनादेश के सवाल को उठा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष इसे नए नेतृत्व और नई दिशा के अवसर के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इतिहास गवाह है कि कई बार राजनीतिक परिवर्तन ही विकास की नई संभावनाओं का मार्ग खोलते हैं। यदि यह सत्ता परिवर्तन बिहार में बेहतर प्रशासन, अपराध नियंत्रण, भ्रष्टाचार-मुक्तिए आर्थिक प्रगति और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है, तो यह राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह निर्णय बिहार की राजनीति में किस प्रकार का अध्याय लिखता है लेकिन इतना निश्चित है कि यह बदलाव राज्य की राजनीति को नई बहसों, नई चुनौतियों और नई संभावनाओं की ओर अवश्य ले जाएगा।

महिलाओं के लिए रोल मॉडल और प्रेरणा-स्रोत हैं विश्व बैंक की वरिष्ठ अर्थशास्त्री डॉ. एस. अनुकृति

-प्रियंका सौरभ

(8 मार्च– अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष)

डॉ. अनुकृति को देखकर कोई कल्पना भी नहीं कर सकता कि साधारण-सी दिखने वाली यह युवा महिला विश्व बैंक, वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) में वरिष्ठ अर्थशास्त्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर प्रतिष्ठित डॉ. एस. अनुकृति हैं। लेकिन यह सच है। विश्व बैंक में बतौर अर्थशास्त्री ज्वाइन करने के साथ ही डॉ. अनुकृति विश्व की अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने वाली इस सर्वोच्च बैंकिंग संस्था की दस सदस्यीय मानव संसाधन समिति की सदस्य भी बन गई थीं। वर्तमान में यह विश्व बैंक के 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन वीमेन एंड जॉब्स' की सह-अध्यक्ष, पीएफ-इंपैक्ट कंसोर्टियम के टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप की सदस्य तथा 'डेवलपमेंट इंपैक्ट ब्लॉग' की सक्रिय योगदानकर्ता के साथ-साथ बंग्लादेश बेस्ड सोशल साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट 'ब्राक इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड डिवेलपमेंट' की दो समितियों 'वी-डिफाइन' और 'वी-कॉनेक्ट' की सदस्य? भी हैं। इससे पूर्व, सात वर्षों तक बीसी यूनिवर्सिटी, बोस्टन (अमेरिका) में अर्थशास्त्र की प्रोफेसर रही डॉ. अनुकृति के पति सिद्धार्थ रामलिंगम भी हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर और विश्व बैंक में सीनियर कंसल्टेंट रह चुके हैं तथा वर्तमान में वाशिंगटन डीसी (अमेरिका) बेस्ड एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में स्ट्रैटजिक और प्लानिंग मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. अनुकृति साधारण होकर भी असाधारण हैं। अपनी विशिष्ट उपलब्धियों के कारण वह आज युवाओं और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोल मॉडल तथा प्रेरणा-स्रोत बन चुकी हैं। डॉ. अनुकृति बचपन से ही बड़ी मेधावी और विलक्षण रही हैं। इन्होंने अपने माता-पिता से न कभी एक रुपया जेबखर्च लिया और न ही कभी सड़क पर खड़े होकर किसी ठेली-रेहड़ी वाले से कुछ खरीदा-खाया। एक दिन भी ट्यूशन नहीं किया, फिर भी, सीबीएसई की 10+2 (नॉन मेडिकल) परीक्षा में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया। डॉ. अनुकृति का जन्म हरियाणा के नारनौल शहर में हुआ, लेकिन अठारह वर्ष हिसार में और सात वर्ष दिल्ली में रहीं; अब बीस वर्षों से अमेरिका जैसे विश्व के सर्वाधिक विकसित और संपन्न देश में रह रही हैं। लेकिन दिखावा या आडंबर इन्हें छू तक भी नहीं पाया है। गर्मी हो या सर्दी, भारत आते ही वहाँ के परिवेश के अनुरूप ढल जाती हैं। दो दशकों से हवाई जहाज से सफर कर रही हैं, बीस से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं, लोकल में भी मैट्रो या एसी बस से जाती-आती हैं, लेकिन साइकल के अतिरिक्त एक्टिवा तक इन्हें चलानी नहीं आती।

वरिष्ठ साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास 'मानव' तथा अर्थशास्त्र की पूर्व प्रवक्ता डॉ. कांता भारती की लाडली बेटी तथा जन्मजात विशिष्ट प्रतिभा की धनी डॉ. अनुकृति की उपलब्धियाँ वैश्विक स्तर की रही हैं। दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से बीए इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमए (इकोनॉमिक्स) करने के उपरांत विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में से एक कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैनहैट्टन (अमेरिका) से एमए (इकोनॉमिक्स), एमफिल और पीएचडी की तीन उपाधियाँ एकसाथ प्राप्त कीं।

पढ़ाई में हमेशा अव्वल रहने वाली डॉ. अनुकृति ने विश्वस्तरीय संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की है, लेकिन अन्य विद्यार्थियों की भाँति इन्हें प्रवेश लेने में कभी कोई कठिनाई नहीं हुई। 10+2 तक की शिक्षा हिसार के स्कूलों से प्राप्त करने के उपरांत इन्होंने बीए इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से किया। तत्पश्चात दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एमए (अंतरराष्ट्रीय संबंध), दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एमए (अर्थशास्त्र) और इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टीट्यूट में एमए (गणित) हेतु आवेदन किया और तीनों में ही इनका चयन हो गया। इनमें से दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स को इन्होंने चुना। यही नहीं, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमए (अर्थशास्त्र) करने के बाद पीएचडी हेतु इन्होंने अमेरिका के छह अग्रणी विश्वविद्यालयों- रोचेस्टर, ब्राउन, विसकोंसिन मेडिसिन, कोलंबिया, न्यूयॉर्क और मेरीलैंड में आवेदन किया और सभी छह विश्वविद्यालयों में इनका चयन हो गया। डॉ. अनुकृति ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैनहैट्टन (न्यूयॉर्क) को चुना और वहाँ से एमए (इकोनॉमिक्स), एमफिल और पीएचडी की तीन उपाधियाँ एक साथ प्राप्त कीं। लेकिन इससे भी बड़ी बात यह है कि पीएचडी करने के बाद अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, स्वीडन, आस्ट्रेलिया और भारत सहित छह देशों के सत्रह विश्वविद्यालयों या समतुल्य संस्थानों में इनकी नियुक्ति हो गई, जिनमें से बीसी यूनिवर्सिटी को इन्होंने ज्वाइन किया। आर्थिक दृष्टि से डॉ. अनुकृति कभी अपने माता-पिता पर बोझ नहीं बनीं। शिक्षा और शोधकार्य के दौरान इन्हें अमेरिका की जीई फंड स्कॉलरशिप, विकरी और हैरिस जैसे अवार्ड तथा कोलंबिया यूनिवर्सिटी रिसर्च स्कॉलरशिप प्राप्त हुई। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के 6-वर्षीय पीएचडी प्रोग्राम के दौरान तो इन्हें अपने माता-पिता से एक रुपए की भी आर्थिक सहायता नहीं लेनी पड़ी।

अपनी शिक्षा के दौरान भारत सरकार का नेशनल अवार्ड, अमेरिका की जीई फंड स्कॉलरशिप, विकरी और हैरिस अवार्ड तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय की रिसर्च स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली डॉ. एस. अनुकृति को वर्ल्ड इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी का प्रथम यंग रिसर्चर अवार्ड भी प्राप्त हो चुका है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, बोस्टन (अमेरिका) की फैलो रह चुकी डॉ. अनुकृति वर्तमान में कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मैनहैट्टन (अमेरिका) तथा इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, बोन (जर्मनी) की फैलो हैं। भारत और अमेरिका के अतिरिक्त कनाडा, पेरू, पोर्टोरिको, बरमूडा, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, स्पेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्वीडन, चीन, हांगकांग, सिंगापुर, बंग्लादेश, केन्या और इथोपिया सहित बीस से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं। डॉ. अनुकृति डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स की विशेषज्ञ हैं तथा लगभग डेढ़ दशक पूर्व, विश्वबैंक की सलाहकार रहते हुए, लैंगिक समानता, विश्व में महिलाओं की आर्थिक स्थिति, महिलाओं की अशिक्षा और पिछड़ापन, बाल-कुपोषण आदि अनेक विषयों पर कार्य कर चुकी हैं। विगत दो दशकों से अमेरिका में रह रही डॉ. अनुकृति भले ही अब अमेरिकी नागरिक बन चुकी हैं, किंतु अपने जन्म-स्थान नारनौल (हरियाणा) और अपने मूल देश भारत तथा भारत की मिट्टी से इनका अब भी गहरा लगाव है।

डॉ. अनुकृति कहती हैं कि मैं अपने सफर को कठिन तो नहीं कहूँगी, किंतु आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो लगता है, हरियाणा के एक छोटे-से पिछड़े शहर से विश्व बैंक तक का सफर कम ही लोग तय कर पाते हैं, विशेषकर लड़कियों और महिलाओं के लिए भारत के कई राज्यों में अपनी पढ़ाई और करियर को प्राथमिकता देना आसान नहीं है। किंतु मेरे परिवार के सहयोग और प्रोत्साहन के कारण मुझे इस प्रकार की किसी कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ा। मेरे माता-पिता ने मेरी और मेरे भाई (जो भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बने) की परवरिश इस प्रकार से की थी कि हमें कभी यह नहीं लगा कि हमारे लक्ष्य या आकांक्षाएँ केवल अपने शहर, राज्य या देश तक ही सीमित रहें। प्रारंभ में हरियाणा के एक छोटे शहर से दिल्ली के सेंट स्टीफेंस कॉलेज जाने में मुझे शायद अधिक अंतर अनुभव हुआ और समायोजन करने में कुछ समय लगा। किंतु बाद में मेरे लिए आगे का सफर अधिक मुश्किल नहीं रहा। अतः मैं माता-पिता और अभिभावकों से यही कहना चाहूँगी कि अपने बच्चों की प्रारंभिक शिक्षा का निर्णय बहुत सोच-विचारकर करें, क्योंकि उसका प्रभाव उनके पूरे जीवन और कैरियर पर पड़ता है। अपनी रुचि बच्चों पर न थोपें, बच्चों की रुचि का भी ध्यान रखें; अपना रास्ता और मंजिल उन्हें स्वयं तय करने दें। माता-पिता की रुचि बच्चों के व्यक्तित्व-विकास में सर्वाधिक बाधक है। सभी माता-पिता अपने बच्चों को डॉक्टर या इंजीनियर बनाना चाहते हैं, जो उचित नहीं है। अन्य अनेक क्षेत्र हैं, जिनमें बच्चों को अपनी इच्छा और रुचि से जाने की छूट दी जाये, तो वे भी विशिष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त कर सकते हैं। माता-पिता का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन बच्चों के लिए बहुत आवश्यक है। मुझे नहीं लगता कि अपने माता-पिता के मार्गदर्शन के बिना मैं इतना-कुछ प्राप्त कर पाती। मेरे माता-पिता और अन्य परिजनों ने कभी मेरे और मेरे भाई के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया और न ही कभी मुझ पर छोटी उम्र में शादी करने और अपने करियर पर कम ध्यान देने का दबाव डाला। मुझे बचपन में हमेशा पढ़ने और सर्वोच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया; घर के काम-काज का भार भी मुझ पर कभी नहीं डाला गया। अब मेरे पति प्रो. सिद्धार्थ रामलिंगम का भी मुझे पूरा सहयोग प्राप्त है; हम दोनों मिलकर, बराबरी से, एक-दूसरे के निर्णयों और कैरियर्स को सपोर्ट करते हैं। हमारी एक नन्ही बिटिया मिली (मृणालिनी) है, जिसने हमारे जीवन को खुशियों से भर दिया है।

सचमुच बहुत गर्व है पूरे भारत को, अपनी सुयोग्य और मेधावी बेटी डॉ. एस. अनुकृति पर। आज की युवा पीढ़ी इनसे बहुत कुछ सीख सकती है, इनसे प्रेरणा प्राप्त कर न केवल अपना भविष्य सँवार सकती है, बल्कि देश-विदेश में अपनी कीर्ति-पताका भी फहरा सकती है।

अखिलेश की तंज वाली भाषा से सपा को हो रहा है बड़ा नुकसान

-संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को राजनीति कें आये करीब 14-15 वर्ष का समय बीता चुका है। 2012 में समाजवादी पार्टी की जीत के बाद तत्कालीन सपा सुप्रीमों मुलायम सिंह यादव ने अपनी जगह अपने बेटे अखिलेश को सीएम की कुर्सी पर बैठाकर अपनी राजनैतिक विरासत अखिलेश को सौंप दी थी। अखिलेश युवा और पढ़े लिखे थे। इसलिये उम्मीद की जाने लगी कि प्रदेश प्रगति के रास्ते पर आगे जायेगा,लेकिन ऐसा हुआ नहीं।अखिलेश भी हिन्दू मुस्लिम करने लगे।परिणाम यह हुआ की वह 2017 में सत्ता से बाहर हो गये। इसके बाद से अखिलेश लगातार अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। राजनीतिक गंभीरता उनके पास से चली गई है। अब उनकी सियासत तंज कसने तक सीमित रह गई है। खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ऊपर अक्सर अखिलेश तंज कसते रहते हैं। इससे योगी की छवि तो नहीं प्रभावित होती है,लेकिन अखिलेश की बातों में हल्कापन सबको दिखाई देता है। यही वजह है जनता उनको बार-बार ठुकराता जा रही है। बहरहाल, अखिलेश की तंज वाली शैली काफी पुरानी और उनके लिये नुकसानदायक साबित हो रही है।वह अक्सर सीएम योगी से लेकर डिप्टी सीएम बृजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य सहित कई नेताओं पर कसते रहते हैं।

समाजवादी पार्टी के युवा चेहरा अखिलेश यादव ने 2012 में जब मुख्यमंत्री का पद संभाला तो पूरे प्रदेश में नई उम्मीद जगी। मुलायम सिंह यादव ने बेटे को सत्ता सौंपी तो लगा कि पढ़े-लिखे और आधुनिक सोच वाले नेता प्रगति लाएंगे। लैपटॉप बांटना, सड़कें बनवाना जैसी योजनाओं ने शुरूआत में तारीफ बटोरी। लेकिन जल्द ही आलोचनाएं शुरू हो गईं। गुंडाराज के आरोप लगे और हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण ने उनकी छवि खराब की। 2017 में भाजपा की भारी जीत ने उन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। सत्ता से बाहर होने के बाद अखिलेश यादव ने आलोचना का सहारा लिया। योगी आदित्यनाथ पर तंज कसना उनकी रणनीति बन गया। कभी बुलडोजर पर चुटकी तो कभी विकास के दावों पर सवाल। इससे उनकी गंभीरता कम हुई और जनता ने उन्हें हल्का समझा। लोकसभा चुनावों में कुछ सफलता मिली लेकिन विधानसभा स्तर पर असफलता बरकरार रही। अखिलेश योगी पर सबसे ज्यादा निशाना साधते हैं। बुलडोजर कार्रवाई को वे गरीबों पर अत्याचार बताते हुए कहते हैं कि यह विकास नहीं तोड़फोड़ है। एक बार उन्होंने कहा था कि योगी तो मठों में रहते हैं, सड़कों पर नहीं दिखते। ऐसे तंजों से योगी की लोकप्रियता पर असर नहीं पड़ा बल्कि अखिलेश की फजीहत हुई। योगी ने जवाब में कहा कि तंज कसने से सत्ता नहीं मिलती, काम से मिलती है। ये तीर उल्टे पड़ रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को अखिलेश चपरासी कहकर तंज कस चुके हैं। विधानसभा में उन्होंने पाठक को निशाना बनाते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री के गुलाम बने घूमते हैं। पाठक की चिकित्सा उपलब्धियों पर सवाल उठाते हुए अखिलेश बोले कि वे डॉक्टर हैं या राजनीतिक डॉक्टर। ऐसे व्यक्तिगत हमलों ने अखिलेश को छोटा बनाया। पाठक ने जवाब दिया कि सपा वाले खुद की हार भूल चुके हैं। ये तंज विपक्ष की एकजुटता तोड़ रहे हैं।इसी तरह से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या पर अखिलेश अक्सर चुटकी लेते हैं। चाय बेचने वाले पृष्ठभूमि को तंज का विषय बनाते हैं। एक रैली में बोले कि केशव चाय की दुकान से सीधे उपमुख्यमंत्री बन गए, लेकिन प्रदेश का विकास कहां हुआ। मौर्या ने पलटवार किया कि अखिलेश राजघराने के चाटुकार हैं। ऐसे व्यंग्य से पिछड़े वर्ग नाराज हो रहा है। अखिलेश की ये शैली वोट खो रही है। अखिलेश ने भाजपा के अन्य नेताओं पर भी तंज कसे। स्वतंत्र देव सिंह को चमचा ठहराया तो सुरेश राणा पर जातिवादी बयानों का तंज। केंद्र की नीतियों पर मोदी सरकार को घेरते हुए वे कहते हैं कि यूपी सिर्फ चुनावी मैदान है। लेकिन ये सब बिखरे हमले हैं। गठबंधन के दौर में भी कांग्रेस नेताओं पर हल्के तंज कसे। इससे उनकी विश्वसनीयता घटी। अखिलेश की ये शैली सोशल मीडिया के दौर में वायरल तो होती है लेकिन गहरा असर नहीं डालती। युवा वोटर हंसते हैं लेकिन वोट नहीं देते। विश्लेषकों का मानना है कि तंज कसना आसान है लेकिन मुद्दों पर बहस चुनौतीपूर्ण। सपा के भीतर भी ये शैली पसंद नहीं आ रही। चाचा शिवपाल जैसे पुराने नेता असहज हैं। बहरहाल, जनता अब अखिलेश के तंजों से ऊब चुकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में सपा की हार ने साबित किया कि व्यंग्य से सत्ता नहीं लौटती। 2024 लोकसभा में कुछ सीटें मिलीं लेकिन प्रदेश स्तर पर कमजोरी बरकरार। ग्रामीण इलाकों में योगी की तुलना में अखिलेश हल्के लगते हैं। सर्वे बताते हैं कि युवा विकास चाहते हैं, तंज नहीं।सपा कार्यकर्ता निराश हैं। अखिलेश के तंजों से भाजपा मजबूत हो रही है। स्वयंवर सिंह जैसे नेता पार्टी छोड़ चुके। नई पीढ़ी वाले नेता मुद्दों पर फोकस चाहते हैं। तंजों ने सपा को हास्य का विषय बना दिया। गंभीर विपक्ष की कमी अब भाजपा के लिए फायदेमंद है। कुल मिलाकर अखिलेश को तंज छोड़ मुद्दों पर आना होगा। शिक्षा, रोजगार, किसान जैसे विषयों पर ठोस योजना दें। तंजों ने उनकी विरासत को कमजोर किया। अगर समय रहते सुधार न किया तो 2027 चुनाव में और झटका लगेगा। जनता गंभीर विपक्ष चाहती है।

विदेश नीति पर सड़क की राजनीति?

फिरहाल, पश्चिम एशिया में जब भी तनाव बढ़ता है, भारत के सामने एक पुराना प्रश्न फिर खड़ा हो जाता है, क्या भारत को ईरान की मदद करनी चाहिए? क्या 1962 की स्मृतियाँ, पाकिस्तान पर दिए गए बयान और अंतरराष्ट्रीय मंचों की राजनीति आज भारत की नीति तय करेंगी? या फिर भारत अपने निर्णय हित, अनहित, लाभ, हानि और दीर्घकालिक रणनीतिक संतुलन के आधार पर करेगा? यह प्रश्न भावनात्मक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गणित का विषय है। अक्सर कहा जाता है कि ईरान ने 1962 में चीन का साथ दिया। लेकिन इतिहास के पन्ने देखें तो उस समय ईरान में शासन था, मोहम्मद रजा पहलवी का। भारत-चीन युद्ध भारत और चीन के बीच सीमित संघर्ष था। ईरान ने चीन को प्रत्यक्ष सैन्य सहयोग दिया, ऐसा कोई पुष्ट प्रमाण उपलब्ध नहीं है। आज के सर्वोच्च नेता, अली खामेनेई, उस समय सत्ता में नहीं थे।

अतः 1962 की पूरी जिम्मेदारी वर्तमान नेतृत्व पर डालना तथ्यात्मक नहीं है। हाँ, यह सही है कि शीतयुद्ध के दौर में ईरान का झुकाव पश्चिमी खेमे की ओर था, लेकिन यह कहना कि उसने खुलकर भारत विरोधी मोर्चा लिया, इतिहास इसे प्रमाणित नहीं करता। पाकिस्तान के साथ ईरान के संबंध जटिल रहे हैं। ओआईसी जैसे मंचों पर कभी-कभी कश्मीर पर पाकिस्तान समर्थक बयान आए। 1965 और 1971 के युद्धों में सीमित कूटनीतिक

-सुरेश गांधी

समर्थन भी देखा गया। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, बलूचिस्तान मुद्दे पर दोनों देशों में गहरा अविश्वास। सीमा पार आतंकवाद को लेकर तनाव। हाल के वर्षों में सीमा पर सैन्य झड़पें। अर्थात ईरान और पाकिस्तान स्थायी मित्र नहीं, बल्कि परिस्थितियों के सहयोगी रहे हैं।

ऐसे में वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में ईरान को खुलकर मदद करना भारत के लिए लाभ से अधिक हानि का कारण बन सकता है। ईरान इस समय पश्चिमी प्रतिबंधों के घेरे में है। यदि भारत खुलकर उसका समर्थन करता है, तो : अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी प्रभावित हो सकती है। उन्नत रक्षा तकनीक सहयोग (विशेषकर इजराइल से) पर असर पड़ सकता है। वित्तीय प्रतिबंधों का जोखिम बढ़ सकता है। भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था से गहराई से जुड़ा हुआ देश है, प्रतिबंधों का सीधा असर विकास पर पड़ेगा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में लाखों भारतीय कार्यरत हैं। यदि भारत किसी क्षेत्रीय टकराव में ईरान के पक्ष में खड़ा दिखता है, तो कूटनीतिक असंतुलन पैदा हो सकता है। भारत के लिए प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और आर्थिक हित सर्वोपरि हैं। पाकिस्तान के साथ ईरान के संबंध पूरी तरह भारत समर्थक नहीं रहे। ओआईसी जैसे मंचों पर ईरान ने कई बार पाकिस्तान समर्थक रुख अपनाया है। ऐसे में बिना शर्त समर्थन रणनीतिक रूप से विवेकपूर्ण नहीं होगा। हाँ, कुछ लाभ हैं, चाबहार पोर्ट के माध्यम से मध्य एशिया तक पहुँच, ऊर्जा आपूर्ति के संभावित विकल्प. लेकिन ये लाभ ‘खुले समर्थन’ पर निर्भर नहीं हैं। ये संतुलित संबंधों से भी सुरक्षित रखे जा सकते हैं। मतलब साफ है भारत को ईरान की खुली या सैन्य, राजनीतिक मदद नहीं करनी चाहिए। भारत को चाहिए : तटस्थ कूटनीतिक रुख, अपने आर्थिक और सामरिक हित सुरक्षित रखना, किसी संघर्ष में पक्षधर न बनना. मेरा मानना है वर्तमान परिस्थितियों में खुलकर ईरान का साथ देना भारत के लिए हानिकारक हो सकता है। भारत को भावनाओं से नहीं, अपने राष्ट्रीय हित से निर्णय लेना चाहिए।

भारत के रणनीतिक हित : क्यों महत्त्वपूर्ण है ईरान?

1. चाबहार पोर्ट : सामरिक प्रवेशद्वार : चाबहार पोर्ट भारत को अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक सीधी पहुँच देता है। यह पाकिस्तान को दरकिनार करने का विकल्प है और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के सामने संतुलन भी। यदि भारत ईरान से दूरी बना लेता है, तो यह रणनीतिक विकल्प कमजोर होगा।

2. ऊर्जा सुरक्षा : ईरान कभी भारत का प्रमुख तेल आपूर्तिकर्ता रहा है। प्रतिबंधों के कारण आयात रुका, पर भविष्य में विकल्प खुले रह सकते हैं। ऊर्जा विविधीकरण भारत के लिए अनिवार्य है।

3. बहुध्रुवीय संतुलन : भारत के संबंध केवल ईरान तक सीमित नहीं। भारत के मजबूत रिश्ते हैं, अमेरिका, इजराइल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात. इजराइल रक्षा तकनीक का बड़ा स्रोत है। खाड़ी देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। मतलब साफ है भारत किसी एक ध्रुव में बंधकर निर्णय नहीं ले सकता।

संभावित जोखिम

यदि भारत खुलकर ईरान का समर्थन करता है : तो अमेरिकी प्रतिबंधों का जोखिम बढ़ सकता है। खाड़ी देशों के साथ संतुलन प्रभावित हो सकता है। इजराइल के साथ रक्षा सहयोग पर असर पड़ सकता है। यदि भारत पूर्ण दूरी बना लेता है : तो मध्य एशिया में रणनीतिक पहुंच घटेगी। चीन और पाकिस्तान को अवसर मिलेगा। ऊर्जा विकल्प सीमित होंगे। दोनों ही अतिवादी विकल्प भारत के हित में नहीं।

विदेश नीति का सिद्धांत : स्थायी हित

विदेश नीति बदले पर नहीं चलती। शीतयुद्ध के दौर में अमेरिका ने पाकिस्तान का खुला समर्थन किया था। आज वही अमेरिका भारत का रणनीतिक साझेदार है। भारत ने दशकों तक फिलिस्तीन का समर्थन किया, फिर भी आज इजराइल के साथ गहरे रक्षा संबंध हैं। समय बदलता है, समीकरण बदलते हैं, पर राष्ट्रीय हित स्थायी रहते हैं। तो क्या भारत को ईरान की मदद करनी चाहिए? जवाब ‘हाँ’ या ‘ना’ में नहीं है। भारत को चाहिए : सैन्य संघर्ष में पक्षधर न बने, शांति और कूटनीतिक समाधान का समर्थन करे, चाबहार और ऊर्जा हित सुरक्षित रखे, पाकिस्तान मुद्दे पर स्पष्ट रुख रखे, अमेरिका और खाड़ी देशों से संतुलन बनाए रखे. भारत को ‘ईरान का साथ’ नहीं देना है, भारत को ‘भारत के हित का साथ’ देना है। 1962 की पीड़ा राष्ट्रीय स्मृति है, परंतु विदेश नीति का आधार नहीं। पाकिस्तान का प्रश्न संवेदनशील है, परंतु हर समीकरण स्थायी नहीं। ईरान न स्थायी मित्र है, न स्थायी शत्रु। भारत को न अंध समर्थन करना चाहिए, न अंध विरोध। भारत को अपने हित, अनहित, लाभ, हानि और दीर्घकालिक रणनीतिक गणना के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। क्योंकि अंततः विदेश नीति का एक ही केंद्र है : भारत।

भारत की रणनीतिक गणना

विदेश नीति भावनात्मक प्रतिक्रिया का क्षेत्र नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ और दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की गणना का विषय है। जब प्रश्न उठता है, क्या भारत को ईरान का साथ देना चाहिए तो इसे नारे या आक्रोश से नहीं, बल्कि तथ्य, इतिहास, सामरिक संतुलन और आर्थिक हितों के आधार पर परखा जाना चाहिए। 1962 का भारत-चीन युद्ध, पाकिस्तान का प्रश्न, पश्चिम एशिया की राजनीति और भारत की उभरती वैश्विक भूमिका, इन सबको जोड़कर ही उत्तर निकलेगा।

1. ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य : तथ्य बनाम धारणा : 1962 के भारत-चीन युद्ध के समय ईरान में शासन था, मोहम्मद रजा पहलवी का। उस दौर में ईरान पश्चिमी खेमे के निकट था। युद्ध भारत और चीन के बीच सीमित सैन्य संघर्ष था। ऐतिहासिक अभिलेख यह नहीं बताते कि ईरान ने चीन को प्रत्यक्ष सैन्य सहायता दी। इसलिए ‘ईरान ने 1962 में चीन का साथ दिया’, यह कथन प्रायः राजनीतिक विमर्श में उछाला जाता है, परंतु इसका ठोस प्रमाण सीमित है। आज के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई उस समय सत्ता में नहीं थे। अतः अतीत की हर घटना को वर्तमान नेतृत्व पर आरोपित करना तर्कसंगत नहीं। मतलब साफ है 1962 की स्मृति भावनात्मक है, परंतु ईरान के प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप का ठोस प्रमाण नहीं मिलता।

2. पाकिस्तान कारक : समर्थन, सीमाएँ और विरोधाभास : पाकिस्तान और ईरान के संबंध जटिल रहे हैं। पाकिस्तान के पक्ष में रुख : ओआईसी जैसे मंचों पर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान समर्थक बयान। 1965 और 1971 में सीमित कूटनीतिक समर्थन। लेकिन दूसरी तस्वीर : बलूचिस्तान मुद्दे पर गंभीर मतभेद। सीमा पार आतंकवादी गतिविधियों को लेकर तनाव। हाल के वर्षों में सीमा पर प्रत्यक्ष सैन्य झड़पें। ईरान और पाकिस्तान के संबंध स्थायी मित्रता नहीं, बल्कि अवसरवादी समीकरणों की कहानी हैं। मतलब साफ है ईरान का पाकिस्तान समर्थक रुख पूर्ण और स्थायी नहीं रहा।

अतीत के आधार पर वर्तमान नीति?

यदि भारत 1962 या ओआईसी के बयानों के आधार पर स्थायी दूरी बनाए, तो उसे अनेक देशों से संबंध तोड़ने पड़ेंगे। विदेश नीति ‘स्थायी मित्र, स्थायी शत्रु’ की अवधारणा पर नहीं चलती। यह ‘स्थायी राष्ट्रीय हित’ पर आधारित होती है। ऐसे में भारत को ईरान से संवाद बनाए रखना चाहिए, सामरिक परियोजनाएं जारी रखनी चाहिए, किसी युद्ध या आक्रामकता का समर्थन नहीं करना चाहिए, अमेरिका, इजराइल और खाड़ी देशों से संतुलन बनाए रखना चाहिए, पाकिस्तान मुद्दे पर स्पष्ट कूटनीतिक विरोध दर्ज कराना चाहिए.

महाराष्ट्र बजट 2026: किसानों का 2 लाख का कर्ज माफ, 'लाडली बहिन'योजना भी रहेगी जारी

मुंबई। मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 6 मार्च को विधानसभा में महाराष्ट्र राज्य का बजट पेश किया। अपने भाषण में उन्होंने मुंबई महानगर क्षेत्र को एक प्रमुख आर्थिक और अवसंरचना केंद्र में बदलने के उद्देश्य से एक विस्तृत विकास योजना प्रस्तुत की। सरकार की योजना अवसंरचना, रसद, आवास, मेट्रो कनेक्टिविटी और हाई-स्पीड रेल परियोजनाओं को मजबूत करने पर केंद्रित है, जो मुंबई और आसपास के महानगर क्षेत्र के विकास के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति का संकेत देती है।

इस बजट के माध्यम से, फडणवीस ने महाराष्ट्र में शहरीकरण के भविष्य को दिशा देने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। सरकार का मानना है कि आने वाले वर्षों में राज्य की लगभग 70% आबादी शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कर सकती है। इस प्रवृत्ति को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने शहरी बुनियादी ढांचे का व्यापक विस्तार करने के साथ-साथ शहरों में नागरिक सेवाओं के प्रबंधन में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल प्रणालियाँ लागू करने का निर्णय लिया है। गरीब महिलाओं के लिए चलाई जा रही लाडकी बहिन योजना को जारी रखने और इसके लिए

पर्याप्त बजटीय प्रावधान करने की भी बात कही गई। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य विधानसभा में अगले वित्त वर्ष के लिए 7,69,467 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र वर्ष 2047 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। वित्त विभाग का भी प्रभार संभाल रहे फडणवीस ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर शेतकरी कर्जमाफी योजना के तहत 30 सितंबर, 2025 तक बकाया दो लाख रुपये तक के फसली ऋण को माफ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जो किसान अपने कर्ज की अदायगी नियमित रूप से करते रहे हैं, उन्हें राज्य सरकार की तरफ से 50,000 रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में शुरू की गई मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना आगे भी जारी रहेगी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 1,500 रुपये दिए जाते हैं और इसके लिए पर्याप्त धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसके साथ ही फडणवीस ने कहा कि राज्य के 1,000 से अधिक आबादी वाले सभी गांवों को कंक्रीट से बनी सड़कों के जरिये जोड़ा जाएगा। उन्होंने महाराष्ट्र को देश की वित्तीय ताकत बताते हुए कहा कि वर्ष 2047 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को पांच लाख करोड़ डॉलर के स्तर तक ले जाने का लक्ष्य है। बजट दस्तावेज के मुताबिक, वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य की राजस्व प्राप्तियां 6,16,099 करोड़ रुपये और राजस्व व्यय 6,56,651 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। इस तरह अगले वित्त वर्ष में राजस्व घाटा 40,552 करोड़ रुपये रह सकता है।

ग्रामीणों के विकास की हकीकत जानने के लिए बी.एन.एन. कालेज के छात्र पहुँचे किसानों के गाँव व खेत में

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। ग्रामीण विकास को केवल किताबों तक सीमित न रखते हुए उसे व्यवहार में समझने के उद्देश्य से पद्मश्री अण्णासाहेब जाधव भारतीय समाज उन्नति मंडळ के बी.एन.एन. महाविद्यालय के ग्रामीण विकास विभाग के छात्रों ने भिवंडी तालुका के जु-नादुर्खी निंबाडा क्षेत्र में किसान रघुनाथ चंदर पाटिल के खेत का दौरा किया। यह क्षेत्रभेट प्रा. डा. निनाद विजय जाधव के विशेष पहल से आयोजित की गई। प्रगतिशील किसान रघुनाथ पाटिल ने छात्रों को खेती की मौजूदा चुनौतियों से अवगत कराते हुए बताया कि बढ़ती खाद-बीज की कीमत, मजदूरों की कमी और बदलते मौसम के कारण खेती करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्पादन लागत बढ़ रही है, लेकिन फसलों को उचित कीमत नहीं मिल रही। सरकारी योजनाओं के बारे में उन्होंने बताया कि फसल बीमा, ठिबक सिंचन और सौर पंप जैसी योजनाओं के लिए आवेदन करने के बाद भी मंजूरी में काफी देरी होती है। इस दौरान छात्रों ने खेती की लागत, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की जटिलताओं को नजदीक से समझा।

छात्रों ने कहा कि किताबों में पढ़े ग्रामीण विकास और खेतों की वास्तविक स्थिति में काफी अंतर है, इसलिए किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम जरूरी हैं।

कोकण सरस महोत्सव 2026 : विरार में 12 से 16 मार्च तक महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के मेले का होगा आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण महिलाओं के हुनर और स्वावलंबन को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से कोकण सरस 2026 के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों का भव्य प्रदर्शन व विक्रय मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह मेला 12 से 16 मार्च 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक विरार पश्चिम स्थित म्हाडा मैदान (स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स), जकात नाका में आयोजित होगा। यह आयोजन महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान (उमेद), जिला परिषद पालघर और वसई-विरार महानगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। मेले में कोकण क्षेत्र के विभिन्न जिलों से आए महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किये गये खाद्य पदार्थ, घरगुती मसाले, पारंपरिक हस्तकला, वारली पेंटिंग, कपड़े की थैलियां तथा अन्य हस्तनिर्मित उत्पादों के लगभग 150 स्टॉल लगाये जायेंगे। मेले में आने वाले नागरिकों के लिए कोकण के पारंपरिक व्यंजनों की भी विशेष व्यवस्था रहेगी। यहां पुरणपोली, उकडीचे मोदक, घावणे, रस शिरवाले, कोंबडी-वडे, नाचणी की भाकरी सहित सिंधुदुर्ग से लेकर मोखाडा तक के ग्रामीण स्वादों का लुत्फ उठाया जा सकेगा। इसके अलावा ताजे समुद्री खाद्य पदार्थ भी उपलब्ध रहेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उनके उत्पादों के लिए व्यापक बाजार उपलब्ध कराना, उनकी आय बढ़ाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। यह उपक्रम जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे के मार्गदर्शन में जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते के नियोजन से आयोजित किया जा रहा है। वहीं वसई-विरार महानगरपालिका के महापौर राजीव पाटील, आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी (आईएएस), अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाडे और दीपक सावंत के सहयोग से इस मेले को सफल बनाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन की ओर से मेले में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए नियंत्रण कक्ष और स्वास्थ्य कक्ष की भी व्यवस्था की गई है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे और आयुक्त मनोजकुमार सूर्यवंशी ने नागरिकों से अपील की है कि वे 12 से 16 मार्च के बीच विरार में आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में पहुंचकर ग्रामीण महिलाओं के उत्पादों की खरीदारी करें और कोकण की पारंपरिक खाद्य संस्कृति का आनंद लेते हुए इस आयोजन को सफल बनायें।

व्हील ऑफ फॉर्च्यून पर अक्षय कुमार बने आध्यात्मिक रणनीतिकार 'स्नेक' को मात देने के लिए

मुंबई/पटना। अपने अनुशासित जीवनशैली के लिए मशहूर अक्षय कुमार ने व्हील ऑफ फॉर्च्यून के मंच पर जेन का तड़का लगाते हुए एक अनोखी आध्यात्मिक रणनीति पेश की। शो के इस एपिसोड में हर स्पिन बार-बार स्नेक के बेहद करीब जाकर रुक रहा था, जिससे प्रतियोगियों रविंद्र, अतुल और कुलदीप की पूरी कमाई शून्य होने का खतरा बढ़ गया था। जैसे ही दर्शकों में सामूहिक डर का माहौल बना और सब निराशा में सांस खींचने को तैयार हुए, अक्षय ने बीच में हस्तक्षेप किया और सबको आग्रह किया कि वे ओह की जगह आध्यात्मिक शब्द ओम का उच्चारण करें। आध्यात्मिक माहौल तब और गहरा हो गया जब दो अहम स्पिन हुए। सबसे पहले, प्रतियोगी रविंद्र की बारी पर अक्षय खुद होस्ट टेबल पर बैठ गए, आंखें बंद कीं और हाथ जोड़कर ध्यान की मुद्रा में आ गए। उन्होंने लयबद्ध तरीके से ओम का जाप शुरू किया, जिससे पूरे सेट में सकारात्मक ऊर्जा फैल गई और उम्मीद जगी कि रविंद्र का स्पिन स्नेक पर जाकर न रुके।

एलन ऑनलाइन के 'राइज टू द टॉप' पॉडकास्ट में एमएस धोनी ने देश की नई पीढ़ी से की बातचीत

मुंबई/पटना। एलन ऑनलाइन ने 'राइज टू द टॉप' नामक एक छात्र संवाद श्रृंखला की शुरूआत की है, जिसमें देशभर के युवा प्रतिभाशाली छात्रों से एमएस धोनी की सच्ची और प्रेरक बातचीत को प्रस्तुत किया गया है। इसका पहला एपिसोड अब एलन ऑनलाइन के यूट्यूब चैनल पर लाइव है।

इस श्रृंखला का केंद्र छात्र हैं – और साथ हैं उनके सपने, उनकी शंकाएँ, परिवार का सहयोग और जीवन के वे निर्णायक मोड़ जिन्होंने उन्हें आगे बढ़ाया। यहां पढ़ाई के घंटों या अंकों की चर्चा के बजाय, उनकी उपलब्धियों के पीछे की मानवीय कहानियों पर फोकस किया गया है। बातचीत का नेतृत्व धोनी करते हैं, जो अपने अनुभवों के आधार पर अपेक्षाओं और दबाव को संभालने की समझ साझा करते हैं, लेकिन कहानी छात्रों की ही रहती है।

पहला एपिसोड सपने देखो में ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्र से शेख गालिब रजा और पश्चिम बंगाल के एक दूरस्थ गांव की अर्पिता घोष को शामिल किया गया है। दोनों अब सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे हैं। अर्पिता की कहानी घर से शुरू होती है। एक ऐसे गांव में पली-बढ़ीं, जहां बहुत कम लड़कियां उच्च शिक्षा हासिल करती हैं, वह न केवल अपना सपना बल्कि अपने पिता का वर्षों पुराना सपना भी साथ लेकर चलती हैं।

वसीम खान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई प्रदेश के पुनः अध्यक्ष बने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी मुंबई प्रदेश के अध्यक्ष अमित साटम ने संगठन को अत्यंत क्रियाशील और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों और कार्यकारिणी के सदस्यों के नामों की घोषणां गत दिनों की। इसी कड़ी में भाजपा के कद्दावर नेता वसीम खान को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का दोबारा अध्यक्ष बनाया गया है। बता दें कि वसीम खान भाजपा में लंबे समय से जुड़े हुए हैं। उनकी मेहनत और, कार्यकताओं को एक साथ लेकर चलने की क्षमता को देखते हुए मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम द्वारा उन्हें अल्पसंख्यक मोर्चा का दोबारा मुंबई अध्यक्ष बनाया गया है। वसीम खान ने अपनी पुनः नियुक्ति पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण महाराष्ट्र राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस विधायक आशीष शेलार, विधायक संजय उपाध्याय,और भाजपा मुंबई अध्यक्ष अमित साटम का आभार जताया है। वसीम खान को अल्पसंख्यक मोर्चा मुंबई का अध्यक्ष बनाए जाने पर वरिष्ठ भाजपा नेता हुसेन पठाण और मुस्ताक सय्यद, अमजद खान, शाहनवाज पठाण, उस्मान पठाण,हुसेन खताल,यासिन शेख, बशीर खान, राशिद कपाड़िया,आदिल खान,जमीर खान,बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकताओं द्वारा बधाई दी गई है।

8 से 22 मार्च तक पालघर जिले में जल महोत्सव का आयोजन

ग्रामीण जल प्रबंधन को मजबूत बनाने पर जोर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ व टिकाऊ बनाने के साथ-साथ पानी के प्रबंधन में ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से पालघर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 8 मार्च से 22 मार्च 2026 के बीच जल महोत्सव आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने दी। उन्होंने ग्रामवासियों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील भी की है।

केंद्र व राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक घर तक व्यक्तिगत नल कनेक्शन के माध्यम से प्रति व्यक्ति प्रतिदिन कम से कम 55 लीटर शुद्ध पानी उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी योजना

के अंतर्गत जिले की स्कूलों, आंगनवाड़ियों, अनुदानित आश्रमशालाओं तथा सरकारी छात्रावासों में भी नल कनेक्शन उपलब्ध कराये जा रहे हैं। जल महोत्सव के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। गांवों में लोकजल उत्सव के माध्यम से जल प्रबंधन व जल संरक्षण को लेकर जनजागरूकता बढ़ाई जाएगी। यह पूरा अभियान जनसहभागिता पर आधारित होगा, जिसमें ग्रामसभा एवं पानी समितियों के जरिये पानी के संरक्षण और जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाये जायेंगे। इसके अलावा महिलाओं की भागीदारी के साथ फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से पानी की गुणवत्ता की जांच, गांव के जल स्रोतों का संरक्षण, पानी बचाने के महत्व तथा जल प्रबंधन में नागरिकों की भूमिका के बारे में जागरूकता कार्यक्रम भी चलाये जायेंगे। साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से जल स्रोतों के संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आने की अपील की गई है। उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पानी व स्वच्छता) अतुल पारसकर ने कहा कि ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं को लंबे समय तक प्रभावी बनाये रखने के लिए सामुदायिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से जिले में 8 से 22 मार्च तक जल महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस अवधि में गांवों में जल स्रोतों के पुनर्जीवन, स्वच्छता अभियान तथा जल आपूर्ति योजनाओं के औपचारिक हस्तांतरण जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। ग्रामीणों से सामुदायिक जल प्रतिज्ञा भी दिलाई जायेगी, ताकि पानी के संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी विकसित हो सके। यह जानकारी ग्रामीण जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता सचिन सुरूम ने दी।

राहुल बंगला पर होली के रंग में डूबा भोर भ्रमण परिवार

भायंदर (उत्तरशक्ति)। विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी भायंदर पूर्व के जेसल पार्क स्थित राहुल बंगला पर सुशिक्षित लोगों की संस्था भोर भ्रमण परिवार द्वारा धूमधाम से होली का त्यौहार मनाया गया। संस्था के संरक्षक तथा देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कांति तिवारी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में खूब जमकर फाग गीत गाए गए और पूरी मस्ती के साथ होली का त्यौहार मनाया गया। उपस्थित लोगों के लिए कई प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजन और ठंडई की व्यवस्था की गई थी। वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट आरजे मिश्रा, मनोज मिश्रा, श्रीराम दुबे और उपेंद्र पांडे ने द्वारा गए गीतों और नृत्य का लोगों ने खूब आनंद उठाया। इस

अवसर पर उपस्थित लोगों में वरिष्ठ नगरसेवक मदन उदित नारायण सिंह, संस्था के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, पुरुषोत्तम पांडे, मुरलीधर पांडे, राकेश मणि त्रिपाठी लंदन वाले, अभयराज चौबे, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, प्रभाकर मिश्रा, जेएन तिवारी, डॉ राकेश मिश्रा, एडवोकेट सतीश चौबे, श्रीकांत उपाध्याय, उपेंद्र सिंह, नागेश तिवारी, आनंद पाठक, शिवबहादुर सिंह, इंद्रभान सिंह, महापौर पुरस्कृत सुरेंद्र पांडे, पत्रकार राजेश उपाध्याय, प्रोफेसर अनिल पांडे, दिनेश दुबे,अदालत पांडे, संजय दुबे, संतोष मिश्रा, स्कूल प्रबंधक अजीत शुक्ला, प्रोफेसर बीके दुबे, शिव पांडे समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। अंत में लल्लन तिवारी ने समस्त लोगों को होली की शुभकामनाएं देते हुए धन्यवाद दिया।

देहेरे में ज्ञानज्योति सार्वजनिक वाचनालय व प्रतियोगी परीक्षा अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के जव्हार तहसील के देहेरे गांव स्थित समाज मंदिर में रविवार 1 मार्च 2026 को सुबह 11 बजे ज्ञानज्योति सार्वजनिक वाचनालय एवं प्रतियोगी परीक्षा अध्ययन केंद्र का उद्घाटन उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। खावडा ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के सहयोग से शुरू किया गया यह वाचनालय ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल माना जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विक्रमगड विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरीशचंद्र सखाराम भोये ने की। उनके हाथों वाचनालय और अध्ययन केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला महासचिव ज्योती हरीशचंद्र भोये भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में देहेरे-देवगांव ग्राम पंचायत के सरपंच जितेश हरीशचंद्र भोये, उपसरपंच सुमन दुगार्दास महाले तथा ग्रामसेवक अमित अशोकराव बोर्डे सहित कई मान्यवर मौजूद थे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों को नियमित पढ़ाई के साथ-साथ पढ़ने की आदत विकसित करने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी दृढ़ संकल्प व मेहनत से करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। नवनिर्मित वाचनालय में विद्यार्थियों के लिए विभिन्न संदर्भ पुस्तकें, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित मार्गदर्शक पुस्तकें, समाचार पत्र तथा अन्य शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। इससे देहेरे तथा आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए एक बेहतर मंच मिलेगा और उनकी शैक्षणिक प्रगति को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामवासी, युवा, महिला बचत समूह की सदस्याएं तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन देहेरे-देवगांव ग्राम पंचायत द्वारा किया गया।

कल्याण रोड संघर्ष समिति ने महापौर नारायण चौधरी से की मुलाकात, सड़क चौड़ीकरण कार्रवाई की जांच की मांग

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के कल्याण रोड व्यापारी व रहिवाशी संघर्ष समिति के एक शिष्टमंडल ने शुक्रवार, 6 मार्च को भिवंडी मनपा के नवनिर्वाचित महापौर नारायण चौधरी और उपमहापौर तारिक मोमिन से मुलाकात कर उनका सत्कार कर शुभकामनाएँ दीं। इस दौरान समिति ने मनपा प्रशासन द्वारा 17 नवंबर 2025 को अंजूर फाटा से राजीव गांधी चौक तक कथित सड़क चौड़ीकरण के नाम पर की गई तोड़फोड़ के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। समिति का आरोप है कि मात्र 24 घंटे की नोटिस देकर सड़क के दोनों ओर 6-6 मीटर चौड़ीकरण के नाम पर हजारों दुकानों और घरों को तोड़ दिया गया, जिससे बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित हुए। समिति ने ज्ञापन में बताया कि डेव्हलपमेंट प्लान 2023 को अभी राज्य सरकार की अंतिम मंजूरी नहीं मिली है तथा एमएमआरडीए ने भी इस मार्ग पर किसी प्रकार के चौड़ीकरण की मांग नहीं की है। इसलिए इस कार्रवाई की जांच कर प्रभावित नागरिकों को न्याय दिलाने की मांग की गई। साथ ही समिति ने मांग की कि जब तक डेव्हलपमेंट प्लान को मंजूरी नहीं मिलती, तब तक प्रभावित दुकानदारों को उनकी मूल जगह पर अस्थायी रूप से व्यवसाय करने की अनुमति दी जाए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष शादाब उस्मानी सहित कई पदाधिकारी और स्थानीय नगरसेवक उपस्थित थे।

बोईसर में फायरिंग करने वाला फरार आरोपी गिरफ्तार, पालघर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर क्षेत्र में फायरिंग कर जानलेवा हमला करने वाले फरार आरोपी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई बोईसर पुलिस स्टेशन की टीम ने उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में अंजाम दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23 फरवरी 2026 को रात लगभग 2 बजे वालवे बस स्टॉप (पो. महागांव, तहसील व जिला पालघर) स्थित एक घर में घुसकर आरोपी उमेश उर्फ प्रल्हाद मोतीराम घरत (उम्र 52 वर्ष, निवासी बेटेगांव, पालघर) ने जानलेवा हमला किया। शिकायतकर्ता प्रितेश सुरेश वरखंडे (22 वर्ष), जो किराना व्यवसायी हैं, ने पुलिस में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने प्रेम विवाह किया था, जिसका आरोपी विरोध कर रहा था। बताया गया कि विवाह से नाराज आरोपी ने रंजिश रखते हुए शिकायतकर्ता के घर में घुसकर उनके पिता सुरेश राजा वरखंडे (52 वर्ष) के सिर के पीछे पिस्तौल से एक गोली चलाकर हत्या का प्रयास किया। इसके बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता व उनकी पत्नी के साथ मारपीट की, उन पर मिर्च पाउडर फेंका और मोटरसाइकिल से फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम तथा शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। जांच के दौरान तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपी का पीछा किया। अंततः 1 मार्च 2026 को आरोपी को यवतमाल जिले के वर्णी पुलिस थाना क्षेत्र से हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया गया।

उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी (बोईसर विभाग) विकास नाईक के मार्गदर्शन में की गई। यह कार्य पुलिस निरीक्षक सुनिल जाधव के नेतृत्व में पोउपनिरीक्षक चंद्रकांत हाके, पुलिस हवलदार विजय दुबला, पुलिस हवलदार जयराम चौधरी, पुलिस नायक योगेश गावित, पुलिस अमलदार गणेश व्हसकोटी, पुलिस अमलदार मयूर पाटील, पुलिस अमलदार धीरज सालुंखे, पुलिस अमलदार देवेंद्र पाटील, पुलिस अमलदार मच्छिंद्र घुगे तथा पुलिस अमलदार शुभम सपकाले एवं पुलिस अमलदार सचिन सोनवणे की टीम द्वारा सफलता पूर्वक किया गया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कदम रसूल छोटी लाइन इमामबाड़ा में अराजक तत्वों की तोड़फोड़

जांच में जुटी पुलिस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के भंडारी रेलवे स्टेशन के पीछे स्थित कदम रसूल छोटी लाइन इमामबाड़ा में बुधवार को कुछ अराजक तत्वों ने ताला तोड़कर अंदर घुसकर जमकर तोड़फोड़ कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स पहुंच गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई।

बताया जाता है कि बुधवार को होली का पर्व होने के कारण क्षेत्र में सन्नाटा था। इसी का फायदा उठाते हुए कुछ अराजक तत्व पीछे के गेट का ताला तोड़कर इमामबाड़े के अंदर घुस गए और वहां रखे सामान के साथ-साथ इमामबाड़े में तोड़फोड़ की।

घटना की सूचना मिलते ही पंजतनी कमेटी के अध्यक्ष शाहिद मेहदी ने तत्काल पुलिस को अवगत कराया। मौके पर शहर कोतवाल वीपी सिंह, सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, सीओ सदर देवेश कुमार तथा सीओ मड़ियाहूं परमानंद कुशवाहा सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंच गया और स्थिति का जायजा लिया।

देर रात फोरेंसिक टीम और एसओजी टीम भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। घटना की खबर फैलते ही सैकड़ों की संख्या में लोग इमामबाड़े पर पहुंच गए।

मौके पर शिया धर्मगुरु जामा मस्जिद के पेश इमाम मौलाना महफूजुल हसन खान, मौलाना सफदर हुसैन जैदी, मौलाना फैजले मुमताज, मौलाना मेराज हैदर खान सहित कई गणमान्य लोग पहुंचे और जिला प्रशासन से शिकायत की।

फिलहाल कमेटी की ओर से थाना कोतवाली में तहरीर दे दी गई है। एसपी ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बिजली विभाग के खिलाफ किसानों का धरना, फसल बचाने की उठी मांग

इम्तियाज अहमद

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड धमार्पुर के ग्राम पंचायत बघंद्रा कौवापार में बिजली विभाग के विरोध में किसानों ने धरना प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि पूर्वांचल विद्युत विभाग द्वारा हाई वोल्टेज लाइन का तार खेतों के ऊपर से खींचा जा रहा है, जिससे उनकी खड़ी फसल को भारी नुकसान हो रहा है।

किसानों का कहना है कि उन्होंने बिजली विभाग के कर्मचारियों से फसल कटाई तक तार न खींचने की गुहार लगाई, लेकिन विभाग के लोग उनकी बात मानने को तैयार नहीं हैं। किसानों के मुताबिक विभाग के कर्मचारियों द्वारा जबरन तार ले जाने की बात कही जा रही है और पुलिस प्रशासन को साथ लाने की भी चेतावनी दी जा रही है। इससे किसानों में भय और आक्रोश का माहौल है।

किसानों का कहना है कि जब तक फसल की कटाई नहीं हो जाती, तब तक बिजली लाइन का काम रोक दिया जाए ताकि फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

इसी मांग को लेकर बघंद्रा गांव के राजकिशोर यादव, श्रीपत, राजपति, सत्यम यादव (सत्या), शिवम यादव, बबलू यादव, रामचंद्र यादव, विकास यादव, विशाल विश्वकर्मा, विजेंद्र यादव, शुभम यादव, राज यादव, बाबू यादव, विजय बहादुर यादव, पप्पू यादव, लल्लन यादव, मुन्ना यादव, सत्यप्रकाश यादव, बंशू यादव समेत ग्राम प्रधान नीरज यादव और जज सिंह अन्ना के साथ गांव की महिलाएं तथा कौवापार निवासी राधे यादव धरने पर बैठ गए। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी फसल की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बिजली विभाग को फिलहाल काम रोकने का निर्देश दिया जाए।

सिविल सेवा परीक्षा में उत्कर्ष मिश्रा को मिली 337वीं रैंक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड बदलापुर के तुलापुर निवासी चन्द्रेश मिश्रा के पुत्र उत्कर्ष मिश्रा ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा शुक्रवार को घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में 337वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। उनके चयन की खबर मिलते ही परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई।

बताया जाता है कि उत्कर्ष मिश्रा ने इससे पहले भी सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार दिया था, लेकिन अंतिम चयन से बाहर रह गए थे। यह उनका पांचवां प्रयास था, जिसमें उन्होंने सफलता हासिल की। उत्कर्ष ने आईआईटी कानपुर से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई की है। उनकी स्कूली शिक्षा बरेली जनपद में आईसीएसई बोर्ड से हुई है। सिविल सेवा परीक्षा में उनका वैकल्पिक विषय भी मैकेनिकल इंजीनियरिंग ही था। उत्कर्ष की माता शशिकला मिश्रा गृहिणी हैं, जबकि उनके पिता चन्द्रेश मिश्रा बरेली में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कराने के लिए कोचिंग सेंटर चलाते हैं। उनके छोटे भाई हर्ष मिश्रा भी आईआईटी कानपुर से सिविल इंजीनियरिंग में बीटेक कर चुके हैं। उत्कर्ष की इस सफलता पर पारसनाथ मिश्रा, केदारनाथ मिश्रा, ओंकारनाथ मिश्रा, बी.डी. मिश्रा और धनंजय मिश्रा सहित क्षेत्र के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। गांव तुलापुर में इस उपलब्धि को लेकर खुशी का माहौल है।

होली की हुड़दगई में 300 लोगों की चटकीं हड्डियां, 150 के टूटे जबड़े

इनमें 40 साल तक के 250, ट्रॉमा सेंटर में मरीजों का ताता

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में होली के इस हुड़दंग का असर यह रहा कि पूर्वांचल के जिलों और बिहार आदि जगहों से 500 से अधिक लोग अलग-अलग कारणों से चोटिल होकर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। इनमें आधे से अधिक की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच है, जबकि 40 से 55 वर्ष आयु वर्ग के भी करीब 100 लोग घायल हुए।

इनमें शराब पीकर तेज रफ्तार में वाहन चलाने और मारपीट की घटनाओं में करीब 300 लोगों के हाथ, पैर और कमर की हड्डियां चटक गईं, जिन पर डॉक्टरों ने प्लास्टर चढ़ाया। इसके अलावा करीब 150 लोगों के जबड़े टूट गए, जबकि लगभग 50 लोगों को मामूली चोटें आईं। बृहस्पतिवार को भी ट्रॉमा सेंटर की इमरजेंसी फुल रही।

कार्रवाई की दी गई थी चेतावनी

होली पर शराब पीकर तेज रफ्तार में गाड़ी न चलाने की अपील प्रशासन और सामाजिक संस्थाओं की ओर से की जाती है। साथ ही ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी जाती है, लेकिन इसका खास असर नहीं दिखा।

वाराणसी के साथ ही गाजीपुर, मऊ, चंदौली, जौनपुर सहित

आसपास के जिलों और बिहार के औरंगाबाद, सासाराम, भभुआ, डेहरी-ऑन-सोन आदि जगहों से होलिका दहन से लेकर होली तक (2 से 4 मार्च) तीन दिनों में 500 से अधिक लोग अलग-अलग कारणों से चोटिल होकर बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचे।

किसी के पैर में चोट लगी तो कोई हाथ में फ्रैक्चर की समस्या लेकर पहुंचा। कई लोगों के दोनों पैरों में फ्रैक्चर हो गया, जबकि कुछ के हाथों में गहरी चोटें आईं। कमर में चोट लगने की समस्या लेकर पहुंचे लोगों की जांच में रीढ़ की हड्डी टूटने की पुष्टि हुई। डॉक्टरों ने जांच के बाद कई मरीजों को सर्जरी की सलाह दी है। इधर, इमरजेंसी फुल होने के कारण वार्ड में बेड भर जाने के बाद मरीजों का स्ट्रेचर पर इलाज करना पड़ा।

भरी रहीं सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी : होली पर तेज रफ्तार वाहन चलाने और मारपीट की घटनाओं के चलते ट्रॉमा सेंटर में 500 घायलों के पहुंचने के अलावा जिले के सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों की इमरजेंसी भी मरीजों से भरी रही। 3 और 4 मार्च को दो दिनों में 100 से अधिक लोग इलाज के लिए पहुंचे। मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा की इमरजेंसी में दो दिनों में 20 से अधिक मरीज आए।

मस्जिद महमुदिया में तरावीह में कुरआन हुआ मुकम्मल, देश में अमन-भाईचारे के लिए मांगी गई दुआएं

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। माहे रमजान के मुबारक महीने में तरावीह की नमाज के दौरान कुरआन-ए-पाक मुकम्मल होने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में जनपद जौनपुर के ग्राम गभिरन स्थित मस्जिद महमुदिया में 15 रमजान की रात तरावीह में कुरआन पाक मुकम्मल कराया गया।

मस्जिद महमुदिया ग्राम गभिरन में हाफि ज अब्दुल समद एवं हाफि ज अब्दुल रहीम पुत्र मो. असलम खां (अधिवक्ता) ने तरावीह की नमाज में मुकम्मल कुरआन सुनाने की सआदत हासिल की। इस मौके पर सैकड़ों की संख्या में रोजेदारों और नमाज़ियों ने शिरकत कर तरावीह की नमाज अदा की।

तरावीह मुकम्मल होने के बाद मस्जिद कमेटी की ओर से हाफि ज अब्दुल समद और हाफि ज अब्दुल रहीम की गुलपोशी कर उन्हें मुबारकबाद पेश की गई। कार्यक्रम के अंत में मुल्क में अमन-ओ-अमान, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए खास दुआएं मांगी गईं।

उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के उप-सम्पादक इम्तियाज अहमद से बातचीत में हाफि ज अब्दुल समद व हाफि ज अब्दुल रहीम ने बताया कि तरावीह रमजान का चांद देखकर शुरू की जाती है और ईद का चांद देखकर समाप्त होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह 16 दिन की विशेष तरावीह का इंतजाम था, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि अब तरावीह की नमाज अदा नहीं की जाएगी।

उन्होंने रमजान की अहमियत पर रोशनी डालते हुए कहा कि रोजा केवल खाने-पीने से रुकने का नाम नहीं है, बल्कि इंसान के जिस्म के हर अंग का रोजा होना चाहिए। जब तक इंसान अपनी जुबान, आंख, कान और हाथ-पैर को गुनाहों से नहीं बचाता, तब तक रोजे की मुकम्मल हिफाजत नहीं होती।

इस अवसर पर मो.असलम खां अधिवक्ता, मो.अकरम खां, मो.कासिम खां अधिवक्ता, अफसर, अंसार, दिलदार खां, सिकंदर खां, बाबर प्रधान, शमीम खां, जियाउल इस्लाम, सुलेमान खां, मो.अजीज, समेत बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे।

पत्रकार को पितृशोक, शोक की लहर

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के बसौली गांव निवासी पत्रकार सुजीत कुमार यादव (बबलू) के बड़े पिता बब्बन प्रसाद यादव (80) का बुधवार की शाम निधन हो गया। वह पूर्ण रूप से स्वस्थ थे लेकिन अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। इलाज के लिए एक निजी चिकित्सक को बुलाया गया। चिकित्सक ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। निधन की खबर मिलते ही पत्रकारों, शुभ चिंतकों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनका अंतिम संस्कार अमिलिया घाट पर किया गया। छोटे भाई केशव प्रसाद यादव ने मुखाग्नि दी। आत्मा की शांति एवं दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई। उनके पैतृक निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए शुभचिंतकों एवं स्थानीय लोगों का तांता लग गया है।

शम्भूगंज मस्जिद में तरावीह मुकम्मल, मुल्क में अमन-चैन व तरक्की के लिए मांगी गई दुआएं

दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के शम्भूगंज स्थित मस्जिद में मंगलवार देर रात कुरान-ए-पाक की तरावीह मुकम्मल हो गई। इस रूहानी मौके पर बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे। तरावीह के समापन पर मुल्क में अमन-चैन, तरक्की और आपसी भाईचारे के लिए खास दुआएं की गईं। माह-ए-रमजान के मुकद्दस महीने में रोजेदार इबादत में मशगूल हैं। सहरी, इफ्तार और तिलावत-ए-कुरान के साथ मस्जिदों में तरावीह का सिलसिला जारी है। शम्भूगंज मस्जिद में मुतवल्ली हाफिज मोहम्मद मरगुब आलम ने पूरी तरावीह मुकम्मल कराई। कुरान मुकम्मल होने की खुशी में नमाजियों ने हाफिज मोहम्मद मरगुब आलम को माला पहनाकर और गुलपोशी कर उनका इस्तकबाल किया। इस अवसर पर उन्हें कपड़े और अन्य तोहफे भेंट कर सम्मानित भी किया गया। तरावीह के बाद मस्जिद का माहौल बेहद नूरानी और खुशनुमा रहा। नमाजियों ने एक-दूसरे से गले मिलकर मुबारकबाद दी और मुसाफा किया। इस मौके पर मिठाई भी वितरित की गई। इस अवसर पर मोहम्मद सलीम, मोहम्मद नसीम, मोहम्मद दिलदार अली, डॉ. आजाद, मोहम्मद दीन, पत्रकार शाहिद खान, इश्हाक अली, मोहम्मद फरियाद, मोहम्मद अलाउद्दीन, मोहम्मद मलतन, फैसल अली सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। तरावीह की मुकम्मल अदायगी के साथ मस्जिद में अमन, भाईचारे और देश की तरक्की की दुआओं के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

ई-लॉटरी से 14 किसानों को कृषि यंत्रों का मिला लाभ, डीएम की मौजूदगी में हुआ चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में संचालित सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एवं प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन फॉर इन सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेजिड्यू योजना के अंतर्गत अनुदान पर कृषि यंत्रों के लिए लाभार्थी किसानों के चयन हेतु शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ई-लॉटरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने की। ई-लॉटरी के माध्यम से कुल 14 किसानों का चयन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार किसानों को आधुनिक कृषि यंत्रों पर अनुदान उपलब्ध कराकर खेती को अधिक आसान, किफायती और उत्पादक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रीकरण से किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ फसल अवशेष प्रबंधन में भी काफी मदद मिलेगी। डीएम ने चयनित किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कृषि यंत्रों का सही उपयोग करने और अन्य किसानों को भी आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। ई-लॉटरी में चयनित लाभार्थियों में सुपर सीडर (01), रोटावेटर (03), स्ट्रा रीपर (04), पावर चाफ कटर (01), लेजर लैंड लेवलर (02), फार्म मशीनरी बैंक (01), क्रॉप रीपर ट्रैक्टर माउंटेड/सेल्फ प्रोपेल्ड (01) तथा किसान ड्रोन (01) शामिल हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, उपनिदेशक कृषि, डिप्टी पीडी आत्मा डॉ. रमेश चंद्र यादव सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

मिजार्मुराद हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात अधेड़ व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गय। घटना को अंजाम देने के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस घटना की छानबीन में जुटी रही।

घटना के बाद चालक फरार

बिहड़ा गांव के सामने स्थित हाईवे पर एक अधेड़ व्यक्ति सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही मिजार्मुराद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मृतक की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों से भी पूछताछ की गई, लेकिन देर शाम तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही फरार वाहन चालक की तलाश भी तेज कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि टक्कर मारने वाले वाहन की पहचान की जा सके। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। पहचान होने के बाद परिजनों को सूचना दी जाएगी और आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डिग्री कॉलेज चौराहे पर बने फव्वारे के पास दो बाइकों में जोरदार टक्कर, एक घायल

ओबरा, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत ओबरा द्वारा हाल ही में नगर के कई व्यस्त चौराहों का सुंदरीकरण कराया गया है, लेकिन सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न होने के कारण अब यह दुर्घटनाओं का कारण बनता जा रहा है। शुक्रवार सुबह लगभग 9 बजे डिग्री कॉलेज चौराहे पर बने फव्वारे के पास दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जाता है कि नगर पंचायत द्वारा शारदा मंदिर चौराहा, डाला रोड तिराहा, डिग्री कॉलेज चौराहा और वीआईपी गेस्ट हाउस तिराहा सहित कई स्थानों का सुंदरीकरण कराया गया है, लेकिन सुरक्षा के लिहाज से उचित व्यवस्था नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई चौराहों पर फव्वारे और अन्य संरचनाएं लगा दी गई हैं, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। शुक्रवार सुबह खैरटिया निवासी विजय कुमार अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से घायल को तत्काल परियोजना अस्पताल ओबरा पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि चौराहों के सुंदरीकरण के साथ सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का भी ध्यान नहीं दिया गया तो इस तरह की घटनाएं आगे भी होती रहेंगी। लोगों ने प्रशासन से चौराहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

बुजुर्ग की मौत के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइनबाजार पुलिस ने हत्या के एक मामले में वांछित दो आरोपीगण को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया है।

पुलिस के अनुसार 4 मार्च 2026 को राजन यादव पुत्र ललई यादव निवासी ग्राम रैभानीपुर थाना लाइनबाजार, जौनपुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि अभियुक्तों ने उनके पिता ललई यादव के साथ मारपीट करते हुए गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। इस मामले में थाना लाइनबाजार में मुकदमा अपराध संख्या 94/2026 धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत मामला पंजीकृत किया गया था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराधियों एवं वांछित

लाइनबाजार पुलिस की त्वरित कार्रवाई

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता के पर्यवेक्षण में लाइनबाजार पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में विशाल सिंह (25 वर्ष) पुत्र विकास सिंह निवासी तारापुर कॉलोनी थाना कोतवाली जौनपुर तथा सुभांशु सिंह (28 वर्ष) पुत्र सुनील सिंह निवासी तारापुर कॉलोनी थाना कोतवाली जौनपुर शामिल हैं।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल अमलेश सिंह, हेड कांस्टेबल दीपक सिंह, हेड कांस्टेबल दीपक भृगुवंशी तथा हेड कांस्टेबल अवधेश सिंह थाना लाइनबाजार जौनपुर शामिल रहे।

मारपीट के बाद कुएं में गिरने से युवक की मौत के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना केराकत पुलिस ने युवक की मौत से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार वादी विनोद कुमार पुत्र सामू राम निवासी ग्राम नाउपुर थाना केराकत, जनपद जौनपुर ने तहरीर देकर बताया कि 5 मार्च 2026 की रात करीब 8 बजे उनके भाई राजेश कुमार के साथ गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। बताया गया कि मारपीट से बचने के लिए राजेश कुमार खेत में ट्यूबवेल की ओर भागे, जहां पीछे दौड़े लोगों के बीच धक्का-मुक्की के दौरान वह कुएं में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई। वादी की तहरीर के आधार पर थाना केराकत में धारा 191(2), 191(3), 115(2) व 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर अपराधियों और वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए गुरुवार को बराई गेट के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी में राजकुमार पुत्र रिबई राम (55 वर्ष) तथा दिलीप उर्फ दीपू उर्फ दिल्पू पुत्र रिबई राम (36 वर्ष) निवासीगण ग्राम नाउपुर थाना केराकत जनपद जौनपुर शामिल हैं। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह, हेड कांस्टेबल रणजीत सिंह और हेड कांस्टेबल राकेश कुमार सिंह थाना केराकत जौनपुर शामिल रहे।

मानी कलां में सफाई व्यवस्था बदहाल, स्थानीय लोगों में रोष

इम्तियाज अहमद की रिपोर्ट

मानी कलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खंड सोंधी

शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानी कलां में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। कस्बे में नियमित सफाई न होने और नालों की समय पर सफाई न कराए जाने से जगह-जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे दुर्गंध और मच्छरों की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात से पहले नालों की सफाई नहीं कराई जाती और मच्छरनाशक दवाओं का छिड़काव भी नहीं किया जाता। कस्बे में दो सफाईकर्मी तैनात होने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा है।

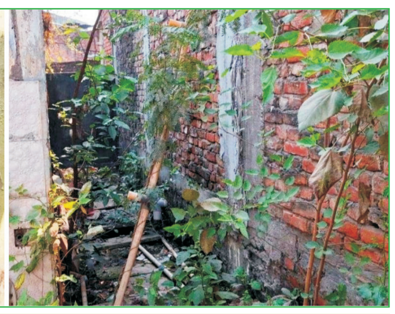

समाजसेवी इरफान अहमद की पहल की हो रही सराहना

बताया जाता है कि मानी कलां कंपोजिट विद्यालय के पीछे स्थित नाले की सफाई अप्रैल 2025 में कराई गई थी, लेकिन उसके बाद से अब तक उसकी सफाई नहीं कराई गई। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालों की सफाई नहीं हुई तो बरसात के दौरान जल निकासी की समस्या गंभीर हो सकती है।

गुरैनी से मानी कलां नसीराबाद चौराहे तक सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। वहीं एजेंसी चौराहे से बस्ती और अंबेडकर मार्ग की ओर जाने वाले रास्तों पर नालियां जाम हैं और कई जगह गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार शादी-विवाह जैसे आयोजनों में बाहर से आने वाले मेहमानों के सामने यह स्थिति शर्मिंदगी का कारण बनती है।

कस्बावासियों का कहना है कि समय-समय पर मीडिया के माध्यम से समस्या को प्रशासन तक पहुंचाया जाता है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से जल्द प्रभावी सफाई व्यवस्था लागू कराने की मांग की है।

क्या कहना है ग्रामीणों का

युवा समाजसेवी इरफान अहमद की मानी कलां में हर ओर चर्चा हो रही है। बताया जाता है कि दो दिन पहले ही इरफान अहमद ने अपने मित्रों की मदद से जेसीबी लगवाकर स्वर्गीय इकबाल अहमद की मस्जिद के पीछे वाले रास्ते से कूड़े का बड़ा ढेर हटवाया, जिससे लोगों को काफी राहत मिली। स्थानीय लोगों में मो.ओसामा, मो.शाकिब, मो.राफे, मो.अलीम, मो.सद्दाम, मो.फैसल, मो.तलहा मो.यूसुफ, लुकमान अहमद, अनवारुद्दीन, कमालुद्दीन, रियाजुद्दीन, हाजी रिजवान, फिरोज अहमद, अल्ताफ अहमद, आफताब आलम, मो.अरशद, नन्हे, नसीम अहमद, परवेज, मो.उस्मान, अनीसुर्रहमान, मो.नदीम, मो.नसीम, रेहान अहमद, अब्दुल्लाह उर्फ डम्पी, मो.तारिक, राजीव बौद्ध, वीरेन्द्र कुमार गौतम, हाजी अशद, मो.आसिफ सिद्दीकी, मो.जावेद जमाल, जमशेद, उजैर अहमद, ओम लाल और सूरज गौतम सहित कई लोगों ने प्रशासन से जल्द सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

प्राथमिक विद्यालयों के 5000 बच्चों को निशुल्क शिक्षण व खेलकूद सामग्री वितरण

जौनपुर। जनपद के युवा समाजसेवी सतीश जयकृष्ण तिवारी द्वारा 7 मार्च को सुबह 10 बजे से कंपोजिट विद्यालय, शाहपुरशानी के प्रांगण में पहली कक्षा से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले 25 विद्यालयों के करीब 5000 बच्चों को निशुल्क शिक्षण व खेलकूद सामग्री का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में सांसद अभिनेता मनोज तिवारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री तथा जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक रमेश चंद्र मिश्र, सम्मानित अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र कार्यक्रम में शामिल होंगे। स्वागतकर्ता के रूप में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ गोरखनाथ पटेल कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। सतीश तिवारी द्वारा पिछले 3 वर्षों से निस्वार्थ भाव से लगातार यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता डॉ विजय शंकर तिवारी करेंगे।

संदिग्ध हाल में युवक की फंदे से लटकती मिली लाश

खुटहन , जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उंचवाडीह गांव में गुरुवार की रात घर के सामने बरामदे के कमरे में युवक की संदिग्ध हाल में फांसी के फंदे से लटका शव पाये जाने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतार पीएम हेतु भेज दिया। स्वजन घटना को लेकर खुद हतप्रभ हैं। पुलिस भी युवक के मौत का कारण स्पष्ट नहीं कर सकी है। गांव निवासी 25 वर्षीय अर्जुन सिंह पुत्र लाले सिंह दो भाइयों में छोटा था। वह अभी अविवाहित भी था। उसके पिता और बड़े भाई रोजी रोटी के चक्कर में परदेश में रहते हैं। अर्जुन अपनी माता मीना सिंह के साथ घर पर रहकर खेती बाड़ी कराता था। स्वजनों ने बताया कि वह गुरुवार की शाम को कमरे का दरवाजा भीतर से बंद कर लिया। रात लगभग नौ बजे भोजन करने के लिए जब उसकी माता ने बाहर से आवाज दी तो वह कुछ न बोला। दरवाजा पीटने के बाद भी भीतर कुछ हलचल न होने पर वह शोर मचाने लगी। पास पड़ोस के तमाम लोग जुट गए। टार्च की रोशनी में रोशनदान से भीतर देखे तो सन्न रह गए। भीतर साड़ी के फंदे से लटका उसका शव हवा में झूल रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने फंदे से शव उतरवाया। थानाध्यक्ष रामाश्रय राय ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। घटना के पीछे क्या कारण है अभी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है। पीएम रिपोर्ट के बाद ही कुछ बताया जा सकता है।

पुलिस पर मारपीट और अभद्रता का लगाया आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत के एक अधिवक्ता ने स्थानीय पुलिस पर घर में घुसकर मारपीट व अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में अधिवक्ता ने उपजिलाधिकारी केराकत को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला दलालटोला, थाना केराकत निवासी दिवाकर सोनकर एडवोकेट पुत्र बाकेलाल सोनकर ने आरोप लगाया कि 4 मार्च को पुलिस उनके घर पहुंची। आरोप है कि थाना प्रभारी निरीक्षक दीपेन्द्र सिंह, कस्बा इंचार्ज धनुधारी पाण्डेय समेत अन्य पुलिसकर्मी घर में घुस आए और गाली-गलौज करते हुए उनके साथ तथा उनके पिता और भाई के साथ मारपीट की। दिवाकर सोनकर का आरोप है कि जब उनकी माता बीच-बचाव करने पहुंचीं तो उनके साथ भी अभद्रता की गई। इसके बाद पुलिस उन्हें और उनके परिजनों को थाने ले गई, जहां भी मारपीट किए जाने का आरोप लगाया गया है।अधिवक्ता के अनुसार अगले दिन 5 मार्च को पुलिस ने उनका व उनके भाई का मेडिकल कराने के बाद चालान कर दिया। बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। इस मामले में अधिवक्ता दिवाकर सोनकर ने उपजिलाधिकारी केराकत को प्रार्थना पत्र देकर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

उमंगों के संग सजा वैवाहिक उत्सव, खुशियों की रोशनी में जुड़ गए दो परिवारों के दिल

सुरेश गांधी

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। प्रदेश के प्रतिष्ठित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र निष्पक्ष दिव्य संदेश एवं तिजारात के महाप्रबंधक एवं संपादक डॉ. राजेंद्र गौतम तथा रेखा गौतम के सुपुत्र अभय राज का विवाह सुशीला रामप्रकाश गौतम की सुपुत्री श्वेता चौधरी के साथ हर्षोल्लास और पारंपरिक वैदिक रीति-रिवाजों के बीच सकुशल सम्पन्न हो गया। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आयोजित इस भव्य वैवाहिक समारोह में भावनाओं की मधुर आभा और उत्सव की रंगीन छटा एक साथ देखने को मिली। मंगल गीतों और शुभकामनाओं की गूंज के बीच दोनों परिवारों में नव-उमंग और आनंद का वातावरण स्पष्ट रूप से झलक रहा था। यह अवसर केवल दो हृदयों के मिलन का नहीं, बल्कि दो संस्कारित परिवारों के स्थायी रिश्ते में बंधने का पावन क्षण बन गया। भारत लॉन, आईआईएम रोड (निकट भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ) पर आयोजित मुख्य विवाह समारोह में पत्रकारिता, प्रशासन और सामाजिक क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सचिवालय से लेकर विधानसभा तथा सूचना निदेशालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी, वरिष्ठ पत्रकार और विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने नवदंपति को सुखमय वैवाहिक जीवन का आशीर्वाद प्रदान किया।

वहीं, उत्तराखंड भवन लखनऊ में आयोजित प्रीतिभोज कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अतिथियों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा काशी विश्वनाथ मंदिर के श्री बाबा विश्वनाथ से उनके सुखमय, मंगलमय दांपत्य जीवन के लिए प्रार्थना की। सजावट की आकर्षक छटा, पारंपरिक स्वागत और आत्मीय आतिथ्य ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। अतिथियों ने इस शुभ अवसर पर विविध लजीज व्यंजनों का स्वाद लेते हुए परिवारजनों को शुभकामनाएं दीं। स्नेह, संस्कार और सामाजिक सम्मान से परिपूर्ण यह विवाह समारोह लंबे समय तक उपस्थित जनों की स्मृतियों में एक सुखद और प्रेरणादायी आयोजन के रूप में अंकित रहेगा।

इस अवसर पर प्रीतिभोज और आशीर्वाद समारोह में कई विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। दूरसंचार मंत्रालय, भारत सरकार से जुड़े सदस्य योगेंद्र सिंह, बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद, मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति संघ के अध्यक्ष हेमंत तिवारी तथा महामंत्री भारत सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित रहे। इसके साथ ही डॉ. एस.पी. सिंह, वरिष्ठ पत्रकार अनिल सिंह, दाराशिकोह, राघवेंद्र सिंह, सचिवालय संघ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अर्जुन देव भारती, सूचना विभाग से जुड़े पुरुषोत्तम मौर्य, अजीत खरे, योगेश श्रीवास्तव तथा सुरेश गांधी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार, अधिकारी एवं सामाजिक प्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके सुखमय, सफल एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की। आत्मीयता, सामाजिक सौहार्द और शुभकामनाओं से सराबोर यह अवसर समारोह की गरिमा को और भी विशेष बना गया।

जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदार अतुल सिंह को UPSC में चयन पर किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने अवगत कराया कि जनपद में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात अतुल सिंह, जो विगत कई वर्षों से संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की तैयारी कर रहे थे, उन्होंने कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के बल पर सिविल सेवा परीक्षा 2025 में सफलता प्राप्त की है। जिलाधिकारी ने बताया कि अतुल सिंह कई बार असफल होने के बावजूद निरंतर प्रयास करते रहे और अपने लक्ष्य से कभी विचलित नहीं हुए। आज उनके परिश्रम का परिणाम सामने आया है और उन्होंने UPSC सिविल सेवा परीक्षा 2025 में चयनित होकर जनपद का नाम गौरवान्वित किया है। इस अवसर पर अतुल सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र के मार्गदर्शन, प्रेरणा और आशीर्वाद को देते हुए कहा कि राजस्व विभाग की व्यस्त नौकरी के बावजूद जिलाधिकारी के प्रोत्साहन से उन्हें तैयारी जारी रखने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग में कार्य करते हुए भी सेवा भावना के साथ अध्ययन जारी रखना संभव हुआ, जिसके परिणामस्वरूप यह सफलता प्राप्त हुई। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र ने अतुल सिंह को इस उपलब्धि पर पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्रम भेंट की और बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम है, बल्कि यह जनपद के युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री युवाओं को आगे बढ़ने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहते हैं।

आजमगढ़ : होलिका जुलूस में हंगामा करने वाले 7 अराजकतत्व गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र के तकिया इलाके में होलिका जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले सात अराजकतत्वों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर की गई, जिसमें कुछ युवक बेल्ट निकालकर हंगामा करते हुए दिखाई दे रहे थे। पुलिस के अनुसार 3 मार्च को तकिया क्षेत्र में होलिका जुलूस के दौरान कुछ अराजकतत्वों ने बेल्ट निकालकर हंगामा किया और माहौल खराब करने का प्रयास किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद पुलिस ने फोटो और वीडियो का गहन परीक्षण कर आरोपितों की पहचान शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए सात आरोपितों को चिन्हित कर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने उनके विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन ने चेतावनी दी है कि किसी भी धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रम, जुलूस अथवा त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने या अराजकता फैलाने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मलसिल निवासी प्रधानाचार्य राजेश तिवारी के आवास पर अखण्ड रामायण पाठ संपन्न

– प्रेम चंद मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर ग्राम मलसिल पोस्ट मेंहदी निवासी प्रधानाचार्य राजेश रामशिरोमणि तिवारी के आवास पर अखण्ड रामचरितमानस पाठ का आयोजन दिनांक 5 मार्च 2026 दिन गुरुवार से प्रारम्भ होकर दिनांक 6 मार्च 2026 दिन शुक्रवार अखण्ड रामायण पाठ दिनांक 6 मार्च को पूणार्हुति के साथ हवन पूजन किया गया , और 6 मार्च को तिलक महोत्सव सांयकाल प्रीतिभोज का आयोजन किया गया था। तिलक समारोह प्रधानाचार्य राजेश तिवारी के सुपुत्र वेदप्रकाश तिवारी (इंजिनियर) का तिलक समारोह बड़े धूमधाम से संपन्न हुआ। ग्राम रानीपुर पोस्ट मड़ियाहूं जनपद जौनपुर निवासी अरविंद कुमार दुबे अध्यापक के परिवार की तरफ से किया गया। जिसमें कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अखण्ड रामायण पाठ का आयोजन मां अमृता रामशिरोमणि तिवारी (प्रवंधक) , राकेश तिवारी मिल्लू (प्रधानाचार्य), श्रीमती प्रीति डाली राकेश तिवारी (अध्यापिका) , राजेश तिवारी (अध्यापक), वेदप्रकाश तिवारी, अवनीश तिवारी, आलोक तिवारी, अंश तिवारी , राम अछैबर तिवारी , राम बूझारत तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार के तरफ से रखा गया। उस शुभ अवसर पर बनकट के भावी प्रधान रमाजीत तिवारी, पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा, रोहियांव से विजय चंद मिश्रा (जीवन बीमा निगम सलाहकार) , महेश दुबे, श्रीमती प्रमिला महेश दुबे , श्रीमती उर्मिला मिश्रा, अवनीश मिश्रा ,द्विवेश मिश्रा, सौरभ दुबे, गौरव दुबे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे । यह जानकारी पत्रकार विष्णुकांत मिश्रा ने दी है।

धर्मेंद्र यादव से संसद सत्र में यूजीसी रेगुलेशन को लागू करने की मांग

एससी/एसटी और ओबीसी के सांसद सदन में उठाएं यूजीसी रेगुलेशन लागू करने की मांग

सरायमीर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। शैक्षणिक संस्थानों में जातीय भेद-भाव के खिलाफ सशक्त यूजीसी रेगुलेशन को लेकर पूर्व छात्र नेताओं ने शालीमार रेस्टोरेंट, सरायमीर आजमगढ़ में पत्रकार वार्ता की। पूर्व छात्र नेताओं ने यूजीसी रेगुलेशन को लागू करने की मांग को आगामी संसद सत्र में धर्मेंद्र यादव से उठाने की मांग की। पत्रकार वार्ता को जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली के कलीम जमाई, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजीव यादव, बीएचयू के वीरेंद्र यादव, यूपी कालेज के डाक्टर राजेंद्र यादव और सत्यम प्रजापति पूर्व छात्र नेताओं ने सम्बोधित किया। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा कि यूजीसी रेगुलेशन को लागू करने के लिए आजमगढ़ समेत प्रदेश और देश में छात्र-युवा सड़कों पर है। आजमगढ़ सामाजिक न्याय की धरती है। राम बचन यादव, चंद्रजीत यादव, रामधन राम, राम नरेश यादव, मौलवी मसूद खान, राम कृष्ण यादव ने हर दौर में वंचितों की आवाज बुलंद की। विश्वविद्यालयों में जातीय भेद-भाव को जब यूजीसी ने माना है तब हम इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्र रहे आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव से मांग करते हैं कि आगामी संसद सत्र के दौरान वह यूजीसी के समर्थन में संसद में आवाज उठाएं। सामाजिक न्याय के सवालों को संसद में धर्मेंद्र यादव उठाते रहे हैं पर यूजीसी के मुद्दे पर उनकी और समाजवादी पार्टी की चुप्पी पीडीए की अवधारणा पर सवाल है। यूजीसी रेगुलेशन को लागू करने के लिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपने सांसदों के साथ सदन में आवाज उठाएं। इंडिया गठबंधन को भी यूजीसी के मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ेगी। यूजीसी के मुद्दे पर राजनीतिक दल अगर इस मुगालते हैं कि वे नहीं बोलेंगे और इस बात को एससी/एसटी और ओबीसी नहीं समझेगा तो उनको यह भ्रम दूर कर लेना चाहिए। देश का सबसे कमजोर तबका अपने बच्चों को विश्वविद्यालय पढ़ने के लिए भेजता है और अगर वहां उसे मरने के लिए मजबूर किया जा रहा है तो समाज चुप नहीं रहेगा। जाति जनगणना की घोषणा के बाद अभी जारी जनगणना फॉर्म में जाति का कॉलम नहीं है, जाति जनगणना करवाने के लिए मजबूती से आवाज उठानी ही होगी। विभिन्न सामाजिक-राजनितिक संगठनों के पूर्व छात्र नेताओं ने कहा कि आगामी सत्र में सदन में सवाल नहीं उठा तो सांसदों को घेरा जाएगा। एससी/एसटी और ओबीसी के सांसदों को इस बात को जान लेना चाहिए कि वे सदन में हमारे प्रतिनिधि है और हमारे बच्चों के भविष्य से जुड़े सवाल पर अगर चुप रहे तो समाज उनको माफ नहीं करेगा। आगामी दिनों में यूजीसी रेगुलेशन लागू करने के लिए आंदोलन और तेज होगा।

जौनपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने से आक्रोश, कार्रवाई की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लाइन बाजार थाना क्षेत्र स्थित अंबेडकर पार्क में शुक्रवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोते जाने की घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करने लगे।

बताया जा रहा है कि देर रात अज्ञात शरारती तत्वों ने पार्क में लगी बाबा साहेब की प्रतिमा को निशाना बनाते हुए उस पर कालिख पोत दी। सुबह जब स्थानीय लोगों की नजर प्रतिमा पर पड़ी तो खबर तेजी से पूरे इलाके में फैल गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। साथ ही प्रतिमा को साफ कराने की व्यवस्था कराते हुए पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कृत्य समाज में तनाव फैलाने की कोशिश है, इसलिए दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र में एहतियातन पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है।

जौनपुर में कैंसर की भयावह स्थिति चिंताजनक : मोहम्मद अरशद खान

गुटका पर तत्काल प्रतिबंध लगाए जाने की मांग

इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गुटका पर तत्काल प्रतिबंध लगाया जाए, जौनपुर में कैंसर की भयावह स्थिति चिंताजनक मोहम्मद अरशद खान, राष्ट्रीय सचिव, समाजवादी पार्टी एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक, ने जौनपुर जनपद में कैंसर रोगियों की बढ़ती संख्या पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि गुटका एवं तंबाकू उत्पादों का अनियंत्रित सेवन इस गंभीर स्वास्थ्य संकट का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि उपलब्ध स्वास्थ्य संकेतकों और स्थानीय चिकित्सकीय रिपोर्टों के अनुसार जौनपुर में कैंसर के मामलों में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जिससे मृत्यु दर भी चिंताजनक स्तर पर पहुँच रही है। विशेष रूप से युवा वर्ग, छात्र एवं किशोर तेजी से गुटका सेवन की चपेट में आ रहे हैं, जो भविष्य के लिए अत्यंत खतरनाक संकेत है। मोहम्मद अरशद खान ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार से मांग की कि जनहित और जनस्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जौनपुर जनपद में गुटका के निर्माण, भंडारण, वितरण और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केवल प्रतिबंध ही पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि– व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नशामुक्ति कार्यक्रम संचालित हों, अवैध तंबाकू कारोबार पर सख्त कार्रवाई की जाए, कैंसर पीड़ितों के लिए विशेष चिकित्सा सहायता और उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुद्दा राजनीति का नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य और भावी पीढ़ी के जीवन का प्रश्न है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और भयावह हो सकती है।

जयराम योगा सेंटर के लोगो ने मनायी पारंपरिक होली!

-लाल शेखर सिंह

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। फागुन में होली का त्यौहार भारतीय जन मानस को स्नेह- प्रेम के बंधन में बांधकर एकता और भाई चारे का संदेश देता है।भारतीय संस्कृति का सबसे उल्लासपूर्ण रंगोत्सव होली सभी बंधनों से मुक्त होकर प्रेम सौहार्द से मनाया जाता है।इसी भाव में दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर पर विवा टाउनशिप योगा ग्रुप ने एक दम ग्रामीण आँचल में गाये जाने वाले चैता फगुआ चौतालको गाते हुए एक दूसरे से गले मिल कर जो सुर लगाए कि एक दम सब मस्ती से झूमने लगे।इस अवसर पर उत्तर भारतीय ठंडाई के साथ मिष्ठान एवं अल्पाहार की उत्तम व्यवस्था की गयी थी।होली की मस्ती में सैकड़ों लोग उपस्थित होकर व्यंजनों का लाभ लेकर ढोलक हारमोनियम पर गायक कलाकारों द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक गीतों का आनंद लेकर मदमस्त हो गए इस माहौल में लोग कुछ समय के लिए सीधे गांव की यादों में खो गये।होली की मस्ती में डूबकर जय सियाराम योगा सेंटर वसई पूर्व के अजय सिंह,मिथिलेश सिंह, राकेश सिंह,अवधेश उपाध्याय, धीरेंद्र गुप्ता,आय बी सिंह, वीरेंद्र जायसवाल, जयराम सिंह,धीरेंद्र गुप्ता, पाल, महेंद्र पांडे, धर्मेंद्र पांडे,नरेंद्र सिंह :नेता'प्रमोद मिश्रा,कृष्णा गौर,सोनावणे,संतोष तिवारी,प्रदीप तिवारी,विजय सिंह डब्लू, अजय तिवारी, बाबा तिवारी आदि लोगों ने होली का भरपूर आनंद लिया।

24999 रुपये में लॉन्च हुआ मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन

गयाजी (उत्तरशक्ति)। मोटोरोला ने स्मार्टफोन सेगमेंट में मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन लॉन्च किया है। इसकी घोषणा बिहार के गयाजी जैसे प्रमुख शहरों में की गई। यह दुनिया का पहला 50 एमपी सोनी लाइटिया 710 कैमरा मोटो एआई के साथ आता है, जो बेहतरीन लो-लाइट क्लैरिटी, बिना ब्लर के शॉट्स, 100 प्रतिशत ट्रू कलर्स और पैंटोन द्वारा वैलिडेटेड स्किन टोन्स, साथ ही सभी लेंस पर 4 के वीडियो रिकॉर्डिंग देता है। मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी एम नरसिम्हन ने कहा कि यह अल्ट्रा-थिन डिजाइन में विशाल 7000 एमएएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी पैक करता है, जो 52 घंटे तक बैटरी लाइफ देती है।

फास्ट चार्जिंग के साथ सिर्फ 10 मिनट में पूरे दिन की पावर मिल जाती है।

मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन लिमिटेड पीरियड के लिए फ्लिपकार्ट पर एक्सक्लूसिव अर्ली बर्ड सेल में उपलब्ध होगा। इसका प्रभावी लॉन्च प्राइस सिर्फ 24999 रुपये से शुरू है।

उन्होंने कहा कि मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन तीन खास पैंटोन क्यूरेटेड कलर्स में उपलब्ध है जिसमें पैंटोन ब?लू सर्फ, पैंटोन कंट्री एयर और पैंटोन सिल्हुट शामिल है।

और पहली बार कैमरा हाउसिंग के चारों ओर एक्सेंट कलर डिटेलिंग के साथ, मोटोरोला ऐज 70 फ्यूजन एक बोल्ड लेकिन रिफाइंड डिजाइन स्टेटमेंट देता है, जिसमें स्टैंडआउट विजुअल अपील और ड्यूरैबिलिटी दोनों हैं।

स्वर्ग से भी बड़ा होता है मां का स्थान : पंडित धर्मराज तिवारी

जौनपुर। मां प्रत्यक्ष ईश्वर होती है, जो न सिर्फ हमें पैदा करती है अपितु हमारा पालन पोषण करती है और हमारी बुराइयों को नष्ट करने का काम करती है। यही कारण है कि मां का स्थान स्वर्ग से बड़ा माना गया है। बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित घनश्यामपुर में प्रमोद कुमार तिवारी के यहां आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन कथा व्यास से बोलते हुए प्रख्यात पंडित धर्मराज तिवारी ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि माँ का महत्व हमारे जीवन में सांसों की तरह है; वह पहली गुरु, निस्वार्थ प्रेम की मूरत और भावनात्मक सहारा होती हैं। वे निस्वार्थ भाव से पालन-पोषण, शिक्षा और संस्कार देती हैं, जो हमें जीवन की चुनौतियों से लड़ने और एक बेहतर इंसान बनने के लिए सक्षम बनाते हैं। माँ के बिना जीवन अधूरा और स्नेहविहीन होता है। 5 मार्च से प्रारंभ कथा का समापन 11 मार्च को होगा। 12 मार्च को हवन महाप्रसाद का आयोजन किया गया है। कथा का समय दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। मुख्य यजमान के रूप में प्रमोद कुमार तिवारी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती तारा देवी प्रतिदिन पूजा अर्चना और आरती कर रहे हैं। परिवार की तरफ से अशोक कुमार तिवारी और अजय कुमार तिवारी आए हुए लोगों का स्वागत सम्मान कर रहे हैं। आज की कथा में उपस्थित प्रमुख लोगों में कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू, डॉ ओमप्रकाश तिवारी, रामकृष्ण दुबे, पूर्व प्रधान रामजियावन तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, पूर्व प्रधानाचार्य रमेश सिंह, प्रधानाचार्य डॉ विनोद मिश्र ,वीरेंद्र सिंह, रामसागर सिंह,राजेंद्र तिवारी, गोरखनाथ गुप्ता, सुरेश चंद तिवारी, पारसनाथ गुप्ता, शिवपूजन बरनवाल, हरिओम बरनवाल, अच्छेलाल मिश्र, शंभू नाथ मिश्र, दुर्गेश श्रीवास्तव आदि का समावेश रहा।

मातृशक्ति को समर्पित होगा बाबा विश्वनाथ का दरबार, महिला दिवस पर काशी विश्वनाथ धाम में मातृशक्ति के लिए विशेष दर्शन

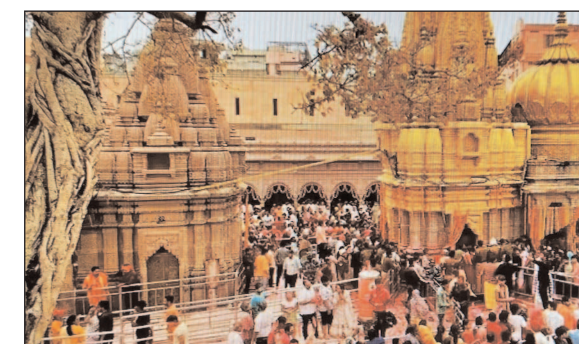

0- देशभर से आने वाली महिलाओं को 4-बी गेट से नि:शुल्क प्रवेश, गोद में बच्चों वाली महिलाओं को प्राथमिकता

0-काशीवासियों के लिए निर्धारित समय यथावत

-सुरेश गांधी

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बाबा की नगरी काशी में मातृशक्ति के सम्मान का विशेष आयोजन किया गया है। 8 मार्च 2026 को श्री काशी विश्वनाथ धाम में देश-विदेश से आने वाली सभी महिलाओं के लिए विशेष दर्शन व्यवस्था की घोषणा की गई है। इस दिन महिलाओं को द्वार संख्या 4-बी से निःशुल्क प्रवेश देकर भगवान श्री काशी विश्वनाथ के दर्शन कराए जाएंगे।

मंदिर प्रशासन के अनुसार यह व्यवस्था केवल काशी की महिलाओं तक सीमित नहीं होगी, बल्कि बाहर से आने वाली महिला श्रद्धालुओं को भी समान रूप से इसका लाभ मिलेगा। विशेष रूप से गोद में छोटे बच्चों को लिए हुए महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए दर्शन की सुविधा प्रदान की जाएगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके लिए किसी प्रकार का टिकट या शुल्क नहीं लिया जाएगा।

मंदिर प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रतिदिन की तरह प्रातः 4:00 से 5:00 बजे तथा सायं 4:00 से 5:00 बजे तक का समय काशीवासियों के लिए आरक्षित रहेगा और इस अवधि में पूर्ववत विशेष दर्शन व्यवस्था जारी रहेगी। इसके अतिरिक्त शेष समय में सभी महिलाओं को द्वार संख्या 4-बी से प्रवेश कराकर दर्शन कराने की व्यवस्था की गई है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृशक्ति को नमन करते हुए कामना की है कि भगवान विश्वनाथ की कृपा और मातृशक्ति का आशीर्वाद संपूर्ण मानवता पर बना रहे तथा सभी श्रद्धालुओं के जीवन में सुख, समृद्धि और मंगल का प्रकाश फैलता रहे।

पर्यटन मंत्रालय के 'अतुल्य भारत' अभियान को मिलेगी नई रफ़्तार

मुंबई। भारतीय मनोरंजन और पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उद्देश्य से 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ अम्यूजमेंट पार्क्स एंड इंडस्ट्रीज' ने अपने भव्य वार्षिक आयोजन की घोषणा कर दी है। मुंबई के गोरेगाव स्थित बॉम्बे एक्जीबिशन सेंटर में आगामी 10 से 12 मार्च 2026 तक क्अअढक एम्यूजमेंट एक्सपो के 24वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा 'अतुल्य भारत' के बैनर तले समर्थित इस आयोजन में तेलंगाना और मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग आधिकारिक भागीदार राज्यों के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। मनोरंजन और थीम पार्क क्षेत्र के लिए एशिया के सबसे बड़े और केंद्रित तकनीकी शो के रूप में पहचाना जाने वाला यह एक्सपो इस बार रिकॉर्ड 15,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैला होगा। इस तीन दिवसीय महाकुंभ में भारत सहित अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, संयुक्त अरब अमीरात और चीन जैसे 10 से अधिक देशों के 200 से ज्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं।

आग में गरीब परिवार का घर जला, आवास की मांग

-नानबाबू चौहान

बलरामपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत करमहना, विकासखंड बलरामपुर में पूर्व दिनों एक भीषण आग लगने से गरीब परिवार का घर पूरी तरह जलकर राख हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 अक्टूबर 2025 की रात करीब 10 बजे मंजू देवी पत्नी बसंत लाल के घर में चूल्हे पर खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज लपटों के कारण पूरा कच्चा मकान और उसमें रखा सारा घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। इस हादसे में एक भैंस और उसका बच्चा भी जलकर मर गए। बच्चों की स्कूल की किताबें, कपड़े तथा दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी आग की भेंट चढ़ गईं। परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता है और इस घटना के बाद उनके सामने रहने और आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। बताया जा रहा है कि पंचायत विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस सहायता नहीं मिली है, हालांकि पशुधन हानि को लेकर कुछ सरकारी मदद प्राप्त हुई है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर शीघ्र आवास उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी सरकार से अपील की है कि पीड़ित परिवार को आपदा राहत और आवास योजना का लाभ दिलाया जाए, ताकि वे दोबारा अपने जीवन की शुरूआत कर सकें।

जिन देशों में निकोटीन के सुरक्षित विकल्प उपलब्ध हैं, वहाँ सिगरेट सेवन कम हुआ और जन स्वास्थ्य में सुधार हुआ

मुंबई। थोलोस फाउंडेशन के एक अंतर्राष्ट्रीय व्हाईट पेपर के मुताबिक जिन देशों में वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर निकोटीन के सुरक्षित विकल्पों को मंजूरी दी गई है, वहाँ पर सिगरेट के सेवन और उससे जुड़ी बीमारियों में तेज व स्थिर कमी दर्ज हुई है। सेफर निकोटीन वर्क्स नाम की इस रिपोर्ट के अनुसार जब तम्बाकू नियंत्रण की मौजूदा नीतियों के साथ सिगरेट का सेवन करने वालों को रैगुलेटेड और कम नुकसान वाले निकोटीन उत्पाद उपलब्ध होते हैं, तो सिगरेट के सेवन में तेजी से कमी आती है तथा जन स्वास्थ्य में सुधार होता है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि जापान और स्वीडन में सिगरेट के सेवन में तेज कमी दर्ज हुई क्योंकि ग्राहकों ने हीटेड टोबैको और ओरल निकोटीन प्रोडक्ट्स जैसे सुरक्षित विकल्पों का सेवन शुरू कर दिया। जापान में पुरुषों के बीच सिगरेट का सेवन साल 2020 में गिरकर 30 प्रतिशत से नीचे चला गया। साल 2016 में टोबैको हीटिंग सिस्टम पेश होने के बाद ऐसा पहली बार हुआ था। इससे पहले सालों तक सिगरेट का सेवन स्थिर बना हुआ था। इस गिरावट ने पाँच सालों में सिगरेट के सेवन में 32 प्रतिशत कमी लाने में एक महत्वपूर्ण योगदान दिया। दूसरी तरफ, स्वीडन में सिगरेट का सेवन साल 2023 में गिरकर 5.6 प्रतिशत तक पहुँच गया, जिससे यह देश सिगरेट सेवन मुक्त देश बनने के करीब पहुँच गया। देश में सिगरेट सेवन में हुई इस गिरावट में साल 2016 में बाजार में शुरू किए गए स्नस और निकोटीन पाउच का बड़ा योगदान था। इस बारे में थोलोस फाउंडेशन के वाईस प्रेसिडेंट, लॉरेंजो मोटानारी ने कहा, सुरक्षित निकोटीन दुनिया में कई जानें बचा रहा है। स्वीडन और जापान के साथ यूके, कैनेडा, न्यूजीलैंड एवं फ्रांस में मिले अनुभवों ने साबित कर दिया है कि जब लोगों को ज्यादा सुरक्षित विकल्प मिलते हैं, तो वो बड़ी संख्या में उन्हें चुनते हैं। अब हमारे पास ऐसे टूल्स उपलब्ध हैं, जो बड़ी संख्या में सिगरेट सेवन के नुकसानों से लड़ सकते हैं। इसलिए पूरी दुनिया की सरकारों को बेहतर विकल्प चुनने में अपने नागरिकों की मदद करना चाहिए।

भारत के स्वच्छ ऊर्जा मिशन को गति देने के लिए टाटा पावर-सेल्सफोर्स का समझौता

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी वर्टिकली इंटीग्रेटेड पावर कंपनियों में से एक टाटा पावर ने आज दुनिया की नंबर 1 अकउफ्ट कंपनी सेल्सफोर्स के साथ सहयोग की घोषणा की है। इस सहयोग का उद्देश्य टाटा पावर के तेजी से बढ़ रहे रूफटॉप सोलर, ईवी चार्जिंग और स्मार्ट होम सॉल्यूशंस व्यवसायों का डिजिटल रूपांतरण करना है। यह सहयोग भारत के नेट-जीरो लक्ष्यों के अनुरूप टाटा पावर के दीर्घकालिक स्वच्छ ऊर्जा रोडमैप को और मजबूत करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता , ऑटोमेशन और डेटा-आधारित इनसाइट्स की मदद से एक सुरक्षित, स्मार्ट और पूरी तरह एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा इकोसिस्टम विकसित करने पर इसका विशेष जोर रहेगा। यह प्लेटफॉर्म नवीकरणीय ऊर्जा वैल्यू चेन में स्केलेबल ग्रोथ, भागीदारों और ग्राहकों के साथ गहरा जुड़ाव, तथा संचालन में बेहतर दक्षता और उत्कृष्टता हासिल करने में मदद करेगा। यह बात टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक डॉ. प्रवीर सिन्हा और सेल्सफोर्स की दक्षिण एशिया की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुंधती भट्टाचार्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। इस डिजिटल परिवर्तन के तहत टाटा पावर ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा सहायक कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड में एजेंटफोर्स सेल्स, एजेंटफोर्स सर्विस और एजेंटफोर्स मार्केटिंग को लागू किया है। सेल्सफोर्स प्लेटफॉर्म बुद्धिमान और अक्-सक्षम वर्कफ्लो को बढ़ावा देता है, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ती है, निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होती है और सभी चैनलों पर ग्राहकों को सहज अनुभव मिलता है। इससे बड़े पैमाने पर दक्षता, फुर्ती और सेवा क्षेत्र में नेतृत्व को और मजबूती मिलती है।

यूएस द्वारा नाम वापस लिए जाने के बाद डब्लूएचओ की वैश्विक प्रासंगिकता पर उठे सवाल

मुंबई। हाल ही में यूएस के स्वास्थ्य और मानव सेवा विभाग तथा यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से यूएस का नाम वापस लिए जाने की आधिकारिक घोषणा कर दी। यूएस ने अपना नाम इसलिए वापस लिया क्योंकि डब्लूएचओ के सदस्य देशों के अनुचित राजनैतिक प्रभाव से संगठन खुद को स्वतंत्र रखने में असमर्थ पाया गया। इसके बाद पूरे विश्व के देश अब यह आकलन कर रहे हैं कि सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए घरेलू डिसीजन मेकिंग में अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य फ्रेमवर्क का क्या प्रभाव होगा। ग्लोबल हैल्थ सिस्टम में अक्सर राष्ट्रीय संदर्भों को नजरंदाज किया जाता है, एक फ्लेक्सिबल पॉलिसीमेकिंग संभव नहीं हो पाती है तथा नतीजों के बजाय सिद्धांतों को प्राथमिकता दी जाती है। बदलाव के इस दौर में भारत के पास सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की अपनी लंबी परंपरा पर पुनर्विचार करने का अवसर है। भारत ने ऐतिहासिक रूप से स्थानीय प्रमाणों के आधार पर निर्णय लेकर जन-स्वास्थ्य में एक मजबूत नेतृत्व पेश किया है। स्थानीय स्तर पर बनाई गई किफायती जेनेरिक दवाओं से एच.आई.वी/एड्स के इलाज का विस्तार करने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े वैक्सीन अभियानों में से एक के लिए CoWIN जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का क्रियान्वयन करने तक भारत ने एक स्वस्थ राष्ट्र का ब्लूप्रिंट सफलतापूर्वक तैयार किया है। भारत में तम्बाकू की पॉलिसी से प्रदर्शित होता है कि ये ग्लोबल असंतुलन क्या प्रभाव उत्पन्न करते हैं। भारत में तम्बाकू का सेवन करने वाली दुनिया की सबसे बड़ी आबादी रहती है, जो सबसे अधिक विस्तृत तम्बाकू उत्पादों की सेवन करती है। यहाँ पर 267 मिलियन से अधिक यूजर्स हैं, जिनमें से अधिकांश धूम्ररहित और असंगठित क्षेत्र के उत्पादों पर निर्भर हैं। पिछले दशक में भारत में डब्लूएचओ के फ्रेमवर्क में तम्बाकू नियंत्रण की नीतियों को अपनाया गया, जो स्थानीय स्तर पर प्रमाण आधारित न होकर बाहरी प्रभावों के अनुरूप थीं। डॉ. लैंसेलॉट मार्क पिंटो, पल्मोनोलॉजिस्ट एवं एपिडेमियोलॉजिस्ट कंसल्टैंट, पी.डी हिंदुजा हॉस्पिटल एवं मेडिकल रिसर्च सेंटर ने कहा,हैल्थ पॉलिसी को डेटा पर आधारित होना चाहिए, जो स्थानीय रूप के अनुकूलित, किफायती और सामाजिक नियमों के अनुरूप हो। ओआरएस जैसे सरल से उपाय ने फार्मा लॉबी या हितधारकों के बिना ही जितनी जानें बचाई हैं, उतनी जानें कई दवाईयों ने मिलकर नहीं बचाई हैं। यह इस बात का एक मजबूत उदाहरण है कि स्थानीय समाधानों को प्राथमिकता क्यों दी जानी चाहिए। सीधा प्रतिबंध सिगरेट का सेवन करने वालों को कम नुकसान वाले विकल्पों से वंचित करता है। इसलिए विज्ञान के लिहाज से यह ठीक नहीं है। अब इस दिशा में फंड और डब्लूएचओ के दिशानिदेर्शों की कमी होगी, इसलिए हमारे पास स्थानीय शोध को बढ़ाने और शोध के नतीजों के आधार पर पॉलिसी बनाने का अवसर है।

पीएससी परीक्षा में चमके जौनपुर के शुभम सिंह, 378वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया जनपद का मान

-इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा घोषित सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम में जौनपुर के होनहार युवक शुभम सिंह ने 378वीं रैंक प्राप्त कर जिले का नाम रोशन किया है। शुभम सिंह पूर्व सांसद धनंजय सिंह के भतीजे और दीनानाथ सिंह के पुत्र हैं। शुभम सिंह की इस उपलब्धि से परिवार सहित पूरे जनपद में खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि कड़ी मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर शुभम ने यह सफलता हासिल कर युवाओं के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। बताया जा रहा है कि शुभम सिंह शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं और उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार मेहनत की। उनकी इस सफलता पर क्षेत्र के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। लोगों ने उम्मीद जताई है कि शुभम सिंह प्रशासनिक सेवा में जाकर समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

महाराष्ट्र को नई ऊंचाई और आयाम देने वाला बजट: राजन नाइक

वसई। राज्य का बजट महाराष्ट्र को नई ऊंचाई और तरक्की की नई रफ्तार देगा, और आज का बजट इसे एक विकसित महाराष्ट्र की ओर ले जाएगा। बजट में किसानों, स्टूडेंट्स, महिलाओं, आदिवासियों और नए एंटरप्रेन्योर्स के लिए नई योजनाएं हैं। बजट से शहरों और ग्रामीण इलाकों के प्लान्ड डेवलपमेंट को बढ़ावा मिला है। यह मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस का पेश किया गया पहला बजट है और यह महाराष्ट्र को एक नया आयाम देगा। पालघर जिले के वधान में चौथी मुंबई डेवलप की जाएगी। उत्तन से विरार सी ब्रिज का काम भी जल्द शुरू होगा। बजट में पनवेल-वसई सबअर्बन कॉरिडोर का जिक्र किया गया है, और वसई-विरार का डेवलपमेंट सस्टेनेबल डेवलपमेंट की ओर बढ़ने लगा है। यह खुशी की बात है कि पालघर जिले के कुछ तालुका पहली बार इस प्रतिष्ठित तालुका स्कीम में शामिल होंगे। राज्य के हजारों किसानों को 2 लाख रुपये तक का लोन माफ किया जाएगा। जो किसान रेगुलर लोन चुकाते हैं, उन्हें 50 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी। मुख्यमंत्री की लड़की बहिन योजना जारी रहने से लाभार्थी महिलाओं को चिंता करने की जरूरत नहीं होगी। भविष्य में 25 लाख महिलाएं करोड़पति बनेंगी। राज्य के हर डिपार्टमेंट और समाज के हर सेक्टर को ध्यान में रखकर बजट में प्रावधान किए गए हैं। पक्की सड़कों से अब एक हजार की आबादी वाला हर गांव जुड़ जाएगा। 75 हजार से ज्यादा पदों पर भर्ती होने से युवाओं को नौकरी के मौके मिलेंगे। टूरिस्ट जगहों के डेवलपमेंट के लिए फंड मिलने से लोकल रोजगार भी बढ़ेगा।

उदयप्रताप सिंह को फिर मिली मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम द्वारा आज जारी सूची में उदयप्रताप सिंह को एक बार फिर मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। भाजपा प्रवक्ता के रूप में उदय प्रताप सिंह लगातार पार्टी की नीतियों और उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाते रहे हैं। मीडिया में उनकी लगातार सक्रियता और समर्पित भावना के साथ की जा रही कार्यशैली को देखते हुए पार्टी द्वारा उन्हें एक बार फिर यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। पत्रकार संघ द्वारा पत्रकार मित्र पुरस्कार से सम्मानित उदयप्रताप सिंह ने दी गई जिम्मेदारी के लिए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई भाजपा अध्यक्ष एडवोकेट अमित साटम के अलावा सभी शीर्ष नेताओं का आभार मानते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग पूर्वक करते हुए पार्टी के प्रचार प्रसार और उसकी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम पूर्ववत करते रहेंगे।

वर्धमान बिल्डिंग का भूमि पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

मुंबई(उत्तरशक्ति)। गोरेगांव वेस्ट में पंकज प्रजापति द्वारा नई वर्धमान बिल्डिंग का विधिवत भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। इस शुभ अवसर पर क्षेत्र के कई व्यवसायी बंधु, सम्मानित नेता गण तथा समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने भूमि पूजन में भाग लेकर निर्माण

कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने की कामना की। साथ ही पंकज प्रजापति को नई बिल्डिंग के शुभारंभ पर बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से जयप्रकाश प्रजापति, समाजसेवी रमेश प्रजापति, धर्मराज, मिथुन, सूरज, महेंद्र, बाबा, डॉ. संजीव तथा चंदन प्रजापति (महाकाल) सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने पंकज प्रजापति के इस नए कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राज्यसभा का उम्मीदवार बनाए जाने पर रंजू झा ने दी बधाई

वसईरोड। महाराष्ट्र राज्यसभा चुनाव 2026 को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र से राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए वरिष्ठ नेता विनोद तावड़े और नागपुर की पूर्व महापौर माया चिंतामन इवनाते को उम्मीदवार घोषित किया है। पार्टी ने इनके साथ रामदास आठवले और रामराव वाडकुटे के नाम भी सूची में शामिल किए हैं। इसी अवसर पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की नेता रंजू झा ने दोनों नेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उनके लंबे समय से किए गए संगठनात्मक कार्य, जनसेवा के प्रति समर्पण और मजबूत नेतृत्व क्षमता का सम्मान है। रंजू झा ने कहा कि पार्टी को पूरा विश्वास है कि विनोद तावड़े और माया ताई इवनाते राज्यसभा में महाराष्ट्र की आवाज को मजबूती से उठाते हुए प्रदेश और राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ता विशाल भगत और अर्जुन गुप्ता ने भी दोनों नेताओं को शुभेच्छा और बधाई दी। महाराष्ट्र से इस वर्ष राज्यसभा की सात सीटों के लिए चुनाव होना है और राजनीतिक दलों ने अपने-अपने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी है।

क्षेत्र का चौमुखी विकास हो: आकाश राज के पुरोहित

-जगदीश पी. पुरोहित

मुंबई(उत्तरशक्ति)। दक्षिण मुंबई के ग्रांट रोड स्थित मनपा डी वार्ड कार्यालय में ९सी व डी वार्ड के प्रभाग समिति९ के अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने पर युवा कार्यसम्राट नगरसेवक आकाश राजके पुरोहित ने यह उद्घोषणा की। बीएमसी के सी वार्ड एवं डी वार्ड में कई स्थानिक समस्याएं है और इन्हीं को दुरुस्त करने के लिए प्रभाग समिति को भी यह दायित्व दिया गया हैं। सालों बाद क्षेत्र के लिए विकास का काम करने का मौका यहाँ के नगर सेवकों को मिला है और उन्होंने भी क्षेत्र की तकलीफों को दूर करने का बीड़ा उठाया है। आज के इस अवसर पर अध्यक्ष का पद ग्रहण करते हुए युवा नगरसेवक आकाश राज के पुरोहित ने यह बात कही है और दोहराया कि वे इस क्षेत्र के विकास के लिये कार्यरत रहेंगे। इस मौके पर सर्वप्रथम मुंबई महानगरपालिका की महापौर रितु तावड़े ने पुष्प गुच्छ भेट करते हुए आकाश को शुभ कामनाएं प्रदान की।

इसी पदभार ग्रहण समारोह में भा.ज.पा. दक्षिण मुंबई जिल्हा अध्यक्ष शलाकाताई साल्वी, आदर्श होटेल्स परिवार के जगदीश पुरोहित, नगरसेवक रीटा मकवाना, नगरसेवक अजय पाटील, नगरसेवक गोरांग झवेरी, नगरसेवक सनी सानप, नगरसेवक कमलाकर दलवी, मस्समा के अध्यक्ष चंदन भंसाली व सचिव गणपतसिंह खीरोड़ी, पुरन दवे, दीपक राव, विश्वास म्हाम्ब्रे, आश्विन शेठ मामा, नेहल वायडा, पत्रकार ओमशंकर पाण्डेय, गणपत डागलिया, विजय भागवत, जसवंत सिंह, एवं भाजपा के शीर्ष नेता मौजूद थे।

विक्रोली पार्कसाईट में 8 मार्च को होली स्नेह सम्मेलन का आयोजन

मुंबई। विक्रोली पार्कसाईट स्थित छत्रपति श्री शिवाजी महाराज मैदान में श्री रामलीला उत्सव समिति के पूर्व अध्यक्ष स्मृतिशेष चंद्रशेखर शुक्ल द्वारा विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी 60वां भव्य होली स्नेह सम्मेलन 8 मार्च को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दोपहर 1 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा, जिसमें फिल्मी दुनिया के कलाकारों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। कार्यक्रम में सिसवा विधानसभा, महाराजगंज (उत्तर प्रदेश) के विधायक एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा पंचायती राज समिति के सभापति प्रेम सागर पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके साथ ही महाराष्ट्र के कई जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद एवं समाजसेवी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरूआत दोपहर 1 बजे से होगी, जिसमें जालंधर और रेशमा राय के बीच बिरहा का जंगी मुकाबला प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं प्रसिद्ध लोकगायक विलास नीलकंठ द्वारा भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर आपसी भाईचारे और रंग-बिरंगे फूलों के साथ होली स्नेह सम्मेलन मनाया जाएगा। समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल, पत्रकार आदेश मिश्र तथा समिति के सभी पदाधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि इस भव्य आयोजन में शामिल होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं और होली स्नेह सम्मेलन का आनंद लें।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अम्बेडकरनगर में होगी एथलेटिक्स प्रतियोगिता

अम्बेडकरनगर। मेरा युवा भारत अम्बेडकरनगर, खेलो इंडिया तथा जिला क्रीड़ा अधिकारी के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2026 को एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में गुरुवार को मेरा युवा भारत के केंद्र कार्यालय अम्बेडकरनगर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कार्यक्रम की जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में जिला युवा अधिकारी मीनू बोहरा ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की अरटक्ळअ पहल के अंतर्गत यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन बी.एन. इंटर कॉलेज में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की खेलों में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना, फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा जमीनी स्तर पर खेल संस्कृति को मजबूत बनाना है। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर दौड़ सहित अन्य मनोरंजक खेल गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता में तीन आयु वर्गों की प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा, जिनमें 13 वर्ष से कम, 13 से 18 वर्ष तथा 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की बालिकाएं और महिलाएं भाग ले सकेंगी। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को MY Bharat के माध्यम से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा आयु का सत्यापन भी आवश्यक रहेगा। संयुक्त प्रेस वार्ता में जिला युवा अधिकारी मीनू बोहरा के साथ जिला क्रीड़ा अधिकारी शीला भट्टाचार्य, भारतीय खेल प्राधिकरण की कोच सुमेधा यादव तथा कार्यक्रम पर्यवेक्षक मेरा युवा भारत ओंकार नाथ वर्मा ने अधिक से अधिक छात्राओं एवं महिलाओं से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रत्येक स्पर्धा और आयु वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागियों को पदक प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता पूरी तरह निःशुल्क होगी और इसका संचालन अधिकृत खेल अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। प्रेस वार्ता के अंत में जिला युवा अधिकारी मीनू बोहरा ने उपस्थित सभी लोगों और मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया।

प्रवीण शेट्टी बने वसई-विरार नगर निगम की स्टैंडिंग कमेटी के चेयरमैन

वसई-विरार। प्रवीण शेट्टी को वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की स्टैंडिंग कमेटी का नया चेयरमैन निर्विरोध चुना गया। यह चुनाव महानगरपालिका मुख्यालय के स्टैंडिंग कमेटी हॉल, चौथी मंज़िल, यशवंत नगर, विरार (पश्चिम) में आयोजित विशेष बैठक के दौरान संपन्न हुआ।

बैठक की अध्यक्षता डॉ. इंदुरानी जाखड़, जिला कलेक्टर पालघर ने पीठासीन अधिकारी के रूप में की। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा नामांकन दाखिल नहीं किए जाने के कारण प्रवीण शेट्टी को सर्वसम्मति से स्टैंडिंग कमेटी का चेयरमैन घोषित किया गया। इस अवसर पर महानगरपालिका के अतिरिक्त आयुक्त संजय हेरवाड़े और दीपक सावंत, महानगरपालिका सचिव विश्वनाथ तालेकर, स्थायी समिति के सभी सदस्य, महानगरपालिका के अधिकारी तथा कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्टैंडिंग कमेटी महानगरपालिका की एक महत्वपूर्ण समिति होती है, जो नगर निगम के वित्तीय और प्रशासनिक निर्णयों में अहम भूमिका निभाती है। प्रवीण शेट्टी के चेयरमैन चुने जाने के बाद उनसे शहर के विकास कार्यों को गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

ओबेन इलेक्ट्रिक का रॉर ईजी सिग्मा पर स्पेशल फेस्टिवल ऑफर

मुंबई। भारत की तेजी से आगे बढ़ रही इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने गुढ़ी पड़वा के खास मौके पर अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक बाइक रॉर ईजी सिग्मा पर स्पेशल फेस्टिवल ऑफर शुरू किया है। यह ऑफर केवल मार्च महीने के अंत तक ही उपलब्ध रहेगा। कंपनी चाहती है कि लोग नए साल की शुरूआत एक आधुनिक, तेज रफ्तार और पर्यावरण के लिए सुरक्षित वाहन के साथ करें। इस योजना के जरिए कंपनी कस्टमर्स को बेहतर तकनीक के साथ सस्ती कीमत का फायदा देना चाहती है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग पेट्रोल की जगह इलेक्ट्रिक वाहन अपनाएं और प्रदूषण कम करने में योगदान दें। इस त्योहार ऑफर के तहत ग्राहकों को रुपये 37,000 तक का कुल लाभ मिल सकता है। रॉर ईजी सिग्मा अब रुपये 1,09,999 की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है, जो इसे अपने सेगमेंट में एक किफायती विकल्प बनाती है। इसके साथ ग्राहकों को 5 साल या 60,000 किमी की मुफ्त एक्सटेंडेड वारंटी और अनलिमिटेड डेटा के साथ 1 साल का फ्री ओबेन कनेक्ट ऐप सब्सक्रिप्शन भी मिलेगा।